आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 ट्रिकल ने बीच सड़क पति...

वर्ष : 26 | अंक : 292 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 13 अक्टूबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

बाबा सिद्दीकी की हत्या पर पुलिस ने किए कई बड़े खुलासे

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी, दो आरोपी पकड़े

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में चौंकाने वाला खुलासा किया गया है। हत्याकांड की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस वारदात को अंजाम देने की साजिश के पीछे की वजह भी बताई है।

गैंग का दावा है कि वे सलमान खान से कोई युद्ध नहीं चाहते थे, लेकिन बाबा सिद्दिकी की हत्या की वजह उनके दाऊद इब्राहीम और अनुज थापन के साथ संबंध थी। बाबा सिद्दीकी का कथित शराफत महज छलावा मात्र है। उनका बीते समय में दाऊद इब्रहिम के साथ मकोका एक्ट में शामिल होने का भी गवाह है। बिश्नोई गैंग का दावा है कि जो कोई भी सलमान खान और दाऊद के गिरोह की मदद करेगा, उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। गैंग की ओर से चेतावनी दी गई है कि अगर कोई उनके भाई को नुकसान पहुंचाएगा तो वे पलटवार जरूर करेंगे।

मुंबई पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है। इनकी पहचान करनैल सिंह, धर्मराज और शिवकुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने करनैल सिंह और धर्मराज को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि शिवकुमार की तलाश जारी है। पुलिस वारदात के पीछे के मास्टरमाइंड को भी तलाश रही है। अब तक की जांच में यह सुपारी देकर हत्या करवाने का मामला लग रहा है।

इसके अलावा मुंबई पुलिस ने बताया कि शिवकुमार और करनैल उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं और धर्मराज हरियाणा का बताया जा रहा है। मुंबई पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने बाबा सिद्दीकी के घर और दफ्तर की रेकी की थी। वे डेढ़ से दो महीने से मुंबई में थे और उन पर नजर रख रहे थे। मौका-ए-वारदात पर छह राउंड फायरिंग की गई, जिनमें से तीन बाबा सिद्दिकी को लगी। मुंबई क्राइम ब्रांच की कई टीमें इस मामले की जांच कर रही हैं।

मुंबई पुलिस के मुताबिक, मुंबई क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ अधिकारी गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रहे हैं। आरोपियों को इस काम के लिए पहले से पैसे दिए गए थे। उन्हें कुछ दिन पहले ही हथियारों की डिलीवरी मिली थी। मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने पिछले 8 घंटों से आरोपियों से पूछताछ की है।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुद को बिश्नोई गैंग का बताया। आरोपी पिछले 25-30 दिन वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। वे पूरे इलाके की रेकी कर रहे थे। तीनों आरोपी ऑटो रिक्शा से बांद्रा ईस्ट पहुंचे थे। तीनों आरोपियों ने कुछ समय वहीं बिताया और बाबा सिद्दीकी के आने का इंतजार करते रहे। इसके बाद उन्होंने बाबा सिद्दीकी को निशाना बनाया और गोली चलाई।

दावा किया जा रहा है कि आरोपी किसी और के इशारे पर काम रहे थे। उन्हें उसके ही जरिए इनपुट मिल रहे थे। अंदरूनी जानकारी के जरिए वह शख्स आरोपियों को योजना के तहत काम करने के लिए रास्ता दिखा रहा था। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में हत्या कर दी गई। उन पर तीन लोगों ने गोलियां चलाईं। वारदात को निर्मल नगर में कोलगेट मैदान के पास बाबा सिद्दीकी के बेटे और विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर अंजाम दिया गया। घटना के तुरंत बाद दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना के संबंध में निर्मल नगर पुलिस स्टेशन में अपराध पंजीकरण संख्या 589/2024, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1), 109, 125 और 3(5) के साथ ही शस्त्र अधिनियम की धारा 3, 25, 5 और 27 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 37 और धारा 137 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कार चालक ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर, पति-पत्नी की मौत, कई घायल

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेज-तीन क्षेत्र के सेक्टर-68 गढ़ी गोल चक्कर के पास रिक्शा सवार चालक समेत आठ लोगों को तेज रफ्तार होंडा सिटी कार के चालक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनकी बेटी, धेवती और रिक्शा चालक की हालत नाजुक बनी हुई है। कार की रफ्तार 100 किलोमीटर से ज्यादा होने व चालक के नशे में होने के चलते यह हादसा हुआ। पुलिस ने दिल्ली गणेश नगर के आरोपित चालक और कार सवार उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार गढ़ी गांव की रीना अपने पिता कृष्णा पादो व माता तृप्ती पादो समेत रिश्तेदार लिपिका, करन, पायल व पूजा के साथ सेक्टर- 34 में मेला देखकर ई-रिक्शा से लौट रहीं थीं। रिक्शे के गढ़ी चौराहे पर पहुंचने पर सभी उतरने की तैयारी कर रहे थे। तभी एफएनजी की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने ई रिक्शे को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में ई रिक्शा सवार सभी आठ लोग बुरी तरह से घायल हो गए। हादसे की जानकारी होने पर पुलिस ने गंभीर से रूप से घायल चार को जिला अस्पताल पहुंचाया और चार घायलों को नजदीक के जीवन अस्पताल में भर्ती कराया।

एसीपी प्रथम सेंट्रल नोएडा राजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि हादसे में कृष्णा पादो व तृप्ती पादो की मौत हो गई जबकि रीना का अस्पताल में उपचार चल रहा है। गंभीर हालत होने पर ई-रिक्शा चालक को दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल रेफर कर किया गया है। दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराकर स्वजन को सौंप दिया गया। कार सवार दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

कार में मिली शराब की बोतलें

घटना के समय कार की रफ्तार बहुत अधिक थी। कार में शराब की खाली बोतलें, पानी की खाली बोतल और सॉस का पाउच भी बरामद हुआ है। जिससे आशंका है कि चालक और उसके साथी ने शराब का सेवन किया था। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि कार के दोनों एयरबैग खुल गए और रिक्शा में बैठे सभी लोग बुरी तरह से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों ने चालक को पकड़ा

घटना के समय कार को अश्वनी निवासी गणेश नगर (दिल्ली) चला रहा था। अश्वनी एक आईटी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। अश्वनी नोएडा में एक दोस्त को छोड़ने के बाद वापस लौट रहा था। हादसे के बाद आरोपी चालक और उसके साथी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन स्थानीय बहलोलपुर के युवकों ने उन्हें पकड़ लिया। अश्वनी पुलिस के हवाले करने से पहले उनकी पिटाई भी की गई है।

यति नरसिंहानंद विवाद : महापंचायत में शामिल होने से रोकने पर हंगामा

लोगों ने बैरिकेड पलटी, पुलिस ने फटकारी लाठी

गाजियाबाद। पैगंबर मोहम्मद साहब पर टिप्पणी के बाद पनपे विवाद के बाद डासना मंदिर परिसर में रविवार को होने वाली महापंचायत में आज सुबह से ही लोग पहुंचने शुरू हो गए। हालांकि, पुलिस ने उनको मंदिर जान से पहले ही रोक दिया। बड़ी तादाद में लोग वापस चले गए। जबकि, कुछ लोगों ने महापंचायत में आने की जिद की तो पुलिस ने उनको हिरासत में ले लिया।

जगह-जगह बेरिकेडिंग की गई। स्थानीय लोगों को भी पूछताछ के बाद ही उनके अंदर, दुकान, प्रतिष्ठानों पर आने जाने की अनुमति दी गई। उधर, यूपी के अलग-अलग हिस्सों के अलावा बड़ी तादाद में उत्तराखंड, राजस्थान, दिल्ली से भी संत पंचायत में पहुंचे थे। एक दिन पहले ही 50 से ज्यादा संतों का जत्था मंदिर में पहुंच गया। जैसे ही संतों को पता चला कि महापंचायत में लोगों को आने से पुलिस रोक रही है तो संतों ने कहा कि पुलिस जहां रोके वहीं पर पंचायत शुरू कर दी जाए। वहीं, यति नरसिंहानंद का रविवार को भी कुछ पता नहीं चला। वह एक सप्ताह से लापता हैं। समर्थक जहां आरोप लगा रहे हैं कि यति नरसिंहानंद को गायब किया गया है। जबकि, पुलिस ने इन आरोपों को खारिज किया है। इस बारे में डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी का कहना है कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

महापंचायत में जाने के लिए जब 400 से ज्यादा लोग इकट्ठा हो गए तो उन्होंने बैरिकेड को पलट दी। पुलिस और लोग आमने-सामने आ गए हाथापाई की नौबत पहुंच गई। पुलिस ने लाठी फटकारी और किसी तरह लोगों को काबू किया। इस दौरान भगदड़ जैसा माहौल पैदा हो गया। बड़ी तादाद में लोग इसके बाद वापस लौट गए। वहीं, विधायक नंद किशोर गुर्जर को जब अंदर नहीं जाने दिया गया तो उन्होंने वहीं पर महापंचायत करने की घोषणा कर दी। उन्होंने डासना मंदिर के बाहर प्रदर्शन करने समेत अन्य मामलों में एनएसए की कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने पुलिस अधिकारियों पर भी तमाम आरोप लगाए।

विधायक को भी पुलिस ने रोका

लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर भी अपने समर्थकों के साथ डासना देवी मंदिर में होने वाली महापंचायत में शामिल होने के लिए पहुंचे लेकिन में रोड पर ही उनको पुलिस ने रोक दिया। इस दौरान उनकी पुलिसकर्मियों से उनकी नोकझोंक भी हुई। पत्रकारों से वार्ता में विधायक ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में ठोस कार्रवाई नहीं की। विधायक और उनके समर्थक अंदर जाने की जिद पर अड़े हैं। फिलहाल मंदिर परिसर में 60 से 70 लोग मौजूद हैं। पत्रकारों को भी अंदर जाने से रोका जा रहा है।

नोएडा के 'आपदा प्रबंधन सेल' पर 5 सालों से लटका ताला

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण द्वारा कई वर्ष पहले आपदा से निपटने के लिए स्थापित किया गया आपदा प्रबंधन सेल बीते पांच वर्षों से पूरी तरह निष्क्रिय पड़ा है। इस सेल में आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक उपकरण जैसे लाइफ जैकेट, स्टीमर, बोट, अग्निशमन उपकरण या अन्य जरूरी साधन बिल्कुल नहीं हैं। कर्मचारियों की भारी कमी के कारण यहां सिर्फ एक गार्ड तैनात है, जो सेल की सुरक्षा देखता है।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि यहां एकमात्र प्रबंधक के रूप में प्रमोद नामक व्यक्ति आते हैं, लेकिन आपदा प्रबंधन से जुड़ी कोई ठोस तैयारी नहीं की गई है। इस स्थिति ने नागरिकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि अगर भविष्य में नोएडा जैसे हाईटेक शहर में कोई प्राकृतिक आपदा जैसे भूकंप या बाढ़ आती है तो उससे निपटने के लिए क्या कोई प्रभावी योजना मौजूद है।

नोएडा के ओएसडी देवेंद्र प्रताप सिंह ने इस मामले में कहा कि विभाग के पास आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक कर्मचारियों की भारी कमी है। आपातकालीन स्थितियों में प्राधिकरण के कर्मचारी और जिला प्रशासन के सहयोग से ही किसी भी तरह के रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया जाता है।

साइबर ठगों ने मोटे मुनाफे का लालच दिखाकर ठग लिये 98.50 लाख रूपये

नोएडा (चेतना मंच)। साइबर ठगों ने शेयर बाजार में निवेश करने का झांसा देकर सेक्टर-44 में रहने वाले सुनील खांडेकर से 98. 50 लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित ने पांच से 20 प्रतिशत तक के प्रतिदिन लाभ होने की लालच में आकर निवेश किया था । पूरा पैसा नहीं निकलने पर पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

सुनील खांडेकर ने बताया कि उनके पास शेयर बाजार में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का मैसेज आया था। संपर्क करने पर ठगों ने स्काईरिम केपिटल स्टाक ट्रेडिंग कंपनी और उसके एप के बारे में बताया। उनका प्रीफेंशियल ट्रेडिंग खाता खुलवाया। फिर विकास कुमार नाम के ठग ने बताया कि अपर व लोअर सर्किट में डीमेट खाते के माध्यम से ट्रेड नहीं किया जा सकता है। कुणाल ने आनलाइन सत्रों के माध्यम से खाता खोलने, पैसा जमा करने की जानकारी दी। कुणाल की दी इनसाइडर जानकारी एकदम सटीक निकली। शेयरों में पांच से 20 प्रतिशत का लाभ मिला। पीड़ित ने शुरुआत में छोटी

धनराशि निवेश की और खाते से लाभ समेत पूरी धनराशि वापस भी निकाल ली। इससे पीड़ित को कंपनी पर यकीन हो गया।

पीड़ित ने मार्च में धीरे-धीरे करके पांच-पांच लाख रुपये की धनराशि निवेश करनी शुरू कर दी। इस तरह पीड़ित ने करीब 94.76 लाख रुपये निवेश कर दिए। पीड़ित ने रुपये वापस निकालने चाहे तो ठगों ने पांच प्रतिशत फीस व 20 प्रतिशत इनकम टैक्स के रूप में देने की मांग की। पीड़ित ने फीस के रूप में 1.25 लाख और कर के रूप में 2.50 लाख रुपये और दे दिए लेकिन ठगों ने तकनीकि दिक्कत आने का हवाला देकर बरगलाना शुरू कर दिया। पीड़ित ने इनकम टैक्स के रूप में पांच लाख रुपये की मांग की। पीड़ित ने और धनराशि होने से मना किया तो ठगों ने पूरी धनराशि फ्रीज होने की बात कही।

इस पर पीड़ित द्वारा पिता की बीमारी की लाचारी बताने पर ठगी नहीं माने। पीड़ित ने उपचार के लिए तत्काल धनराशि होने जैसी लाचारी भी बताई लेकिन ठग अपने सीनियर का हवाला देकर बरगलाते रहे। अंत में ठगों ने धनराशि देने से मना कर दिया। इससे पीड़ित को अपने साथ ठगी होने का पता चला। पीड़ित ने साइबर सेल और थाना पुलिस से शिकायत की। एडीसीपी साइबर सेल प्रीति यादव ने बताया कि ठगों की तलाश में टीम को लगाई गई है। पीड़ित द्वारा दी गई बैंक खातों की जानकारी के आधार फ्रीज कराने की प्रक्रिया कराई जा रही है।

वीर कुंवर सिंह शोध संस्थान ने संजय चौहान को किया सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-62 के सम्राट पृथ्वीराज चौहान भवन में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें वीर कुंवर सिंह शोध संस्थान के अध्यक्ष, प्रेमसिंह चौहान ने संजय चौहान को सचिव की उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया। यह अवसर न केवल संस्थान के लिए बल्कि पूरे समुदाय के लिए गर्व का विषय रहा।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने इस नियुक्ति का समर्थन किया और सहमति जताई। सभी ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए संजय चौहान के प्रति अपना समर्थन प्रकट किया। यह सम्मान उनकी सेवा, मेहनत और समर्पण का प्रतीक है, जो उन्होंने संस्थान और समाज के लिए किया है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने अपने विचार साझा किए और श्री चौहान को शुभकामनाएँ दीं। इस आयोजन ने सभी को एकजुट होकर संस्थान के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रेरित किया और एकता का संदेश दिया।

निजी आईडी से रेलवे ई-टिकट की कालाबाजारी करने का आरोपी गिरफ्तार

55 हजार रुपये के टिकट बरामद

ग्रेटर नोएडा। आरपीएफ दादरी की टीम ने शनिवार को निजी आईडी का उपयोग करके रेलवे के ई-टिकटों की कालाबाजारी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पकड़ा गया आरोपी मुकेश शाह कुनाल कम्युनिकेशन का संचालक है। आरोपी के पास से 55,000 रुपये मूल्य के 37 ई-टिकट बरामद किए गए। इसके अलावा उसके अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी मिली है। रेलवे टिकटों की अवैध बिक्री की शिकायतें लगातार आ रही थीं, जिसके आधार पर आरपीएफ ने कार्रवाई की है।

आरपीएफ के प्रभारी निरीक्षक एसके वर्मा के अनुसार, बताया कि कई दिनों से इनपुट मिल रहे थे कि नोएडा में रेलवे ई-टिकटों की कालाबाजारी की जा रही है। इसके बाद एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने नगला चरण दास निवासी मुकेश शाह को गिरफ्तार किया। आरोपी एजेंट आईडी की बजाय निजी आईडी से टिकट बना रहा था। उसने ग्राहकों से टिकट के लिए 200 से 300 रुपये अधिक लिए। आरोपी के खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और उसकी 12 निजी आईडी का भी पता चला है।

जांच में सामने आया कि मुकेश पिछले तीन साल से इस धंधे में लिप्त था और उसने लगभग तीन लाख रुपये का मुनाफा कमाया। हाल ही में सेक्टर-18 से भी एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया था जो प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर रहा था। पिछले एक साल में शहर के विभिन्न हिस्सों से 21 ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। रेलवे अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला जारी रहेगा और पूरे प्रदेश में इस संबंध में अभियान चलाया जाएगा।

देश का रतन

हर आंख नम हुई, रोई भी... हर किसी को लगा मानो उसका अपना कोई चला गयाज्मौत पर ही रुदन क्यों होता है, जबकि वह शाश्वत है? विदाई पर भी आंखें रोती हैं, लेकिन उसमें सुखद एहसास भी निहित होता है। विख्यात, महान उद्योगपति एवं राष्ट्रवादी रतन टाटा हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन यह शोक मनाने का समय नहीं है। शोक और रुदन के 'रतन' नहीं हुआ करते। देश के इस 'अनमोल रतन' की विदाई पर समारोह मनाए जाने चाहिए। रतन टाटा ऐसी शख्सियत थे, जिन्हें 'भूषण' और 'ध्रुवतारे' की उपमा भी दी गई। यदि अब उन्हें 'भारत-रत्न' का सर्वोच्च सम्मान भी दिया जाता है, तो वह सम्मान ही अलंकृत और गौरवान्वित होगा। रतन टाटा भारत माता के 'महानायक' थे। देश उनकी सांसों में बसा था। उनकी हर परियोजना में भारत और उसका चौतरफा विकास ही समाया था। वह इसलिए महान और विख्यात नहीं थे कि अरबों डॉलर की कंपनियों के वह सर्वेसर्वा थे, छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में उनका औद्योगिक साम्राज्य फैला था, सुई, नमक से विमान तक का उत्पादन कंपनियों ने किया। उन्होंने टाटा को 'वैश्विक रतन' बना दिया। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों के अधिग्रहण किए। दरअसल रतन टाटा सादगी, सरलता, मानवता, परोपकार और नैतिकता की जीवंत 'किंवदन्ती' बन गए थे, लिहाजा उनके निधन पर आम आदमी भी भावुक, मर्माहत हुआ। यही जिंदगी की संपूर्णता है। उन्होंने न जाने कितने संस्थान स्थापित किए। कैंसर अस्पताल बनाया, जहां 70 फीसदी मरीजों का मुफ्त इलाज किया जाता है। उनके कुत्ता-प्रेम में भी मानवीय मूल्य थे। अपने पालतू कुत्ते की तबीयत ठीक न होने के कारण उन्होंने ब्रिटिश राजशाही का 'लाइफटाइम सम्मान' लेने का कार्यक्रम भी रद्द कर दिया था। अभी अंतिम यात्रा के दौरान उनका पालतू कुत्ता 'गोवा' उनके पार्थिव शरीर के साथ ही बैठा रहा और मातम मनाता रहा। देश के 'अनमोल रतन' ने आदिवासियों की शिक्षा के लिए आर्थिक मदद की, तो कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान भारत सरकार को 1500 करोड़ रुपए का सहयोग देने का संकल्प लिया। मुंबई के 26/11 आतंकी हमले का दौर भी याद आता है। सुरक्षाकर्मी एक तरफ खुले में आराम करते थे, खाना-पीना करते थे, कपड़े तक बदलते थे। आतंकवाद के उन लम्हों में उन्हें तैनात किया गया था। अपने होटल से निकलते हुए रतन टाटा ने सुरक्षा कर्मियों को देखा और तुरंत फैसला लिया कि वे होटल के भीतर ही रहेंगे। वहीं से अपने ऑपरेशन के लिए जाएंगे। मानवता का यह दुर्लभ, अभूतपूर्व उदाहरण है। असम के चाय बागानों में मजदूरों की स्थिति और कार्य-संस्कृति में रतन टाटा ने कई सुधार किए। दरअसल वह श्रम-समर्थक उद्योगपति इसलिए बन पाए, क्योंकि उनके भीतर मानवता कूट-कूट कर समाई थी। वह इनसान पहले थे और बहुत बाद में व्यापारी थे। रतन का मूलमंत्र था कि सत्ता और धन उनके प्रमुख सिद्धांत नहीं हैं। ऐसी शख्सियत के निधन पर शोक क्यों मनाया जाए? उन्होंने भरपूर जीवन जिया और मौज से जिया। वह अरबपति, कुबेरपति की श्रेणी के सम्पन्न, धनाढ्य पुरुष थे, लेकिन बिल्कुल निर्लिप्त थे। जीवन, समाज और देश ने ही उन्हें 'टाटा' बनाया, यहीं से उन्होंने मुनाफा भी कमाया, लेकिन हर क्षेत्र को अपना धन भी समर्पित किया। भारत की बुनियाद को ठोस करते रहे। ऐसे थे हमारे 'अद्भुत रतन'! आज बहुत कुछ याद आ रहा है, लेकिन बहुत कुछ भूलने का भी भय है, क्योंकि रतन घटनाओं और उदाहरणों के भंडार थे। उन्होंने कारोबार विश्व स्तर पर किया, लेकिन कभी नैतिक उसूलों से समझौता नहीं किया। कभी भ्रष्ट या अनैतिक होने की कोशिश तक नहीं की। उन्होंने टाटा समूह को भारत-केंद्रित से वैश्विक ब्रांड में बदला, लिहाजा कोरस, जगुआर, लैंड रोवर, टेटली, जनरल कैमिकल और देवू मोटर्स सरीखी विश्वविख्यात कंपनियों का अधिग्रहण कर टाटा का सिक्का छाप दिया। आज पार्थिव तौर पर वह हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन कोई शून्य भी नहीं है। उन्होंने लंबी-चौड़ी विरासत छोड़ी है। टाटा के रूप में वैश्विक परिवार है। उन्होंने प्रौद्यागिकी और नवीकरण के तौर पर कई प्रयोग किए और नई पीढ़ी को तैयार किया है। वे हमारे 'रतन' को हमेशा आभूषित रखेंगे, ऐसा हमारा दृढ़ विश्वास है। ताजा समाचारों के अनुसार टाटा ट्रस्ट ने नोएल टाटा को नया चेयरमैन नियुक्त किया है। वह रतन टाटा के सौतेल भाई हैं। आशा है नोएल टाटा 'टाटा ट्रस्ट' की जो अच्छी परंपराएं व परिपाटियां जमशेदजी टाटा के कार्यकाल से लेकर रही हैं, उन्हें संरक्षण प्रदान करेंगे। देश के विकास में टाटा का योगदान नई ऊंचाइयों को छुएगा, ऐसी अपेक्षाएं नोएल टाटा से हैं। टाटा समूह की विशेषता यह रही है कि वह व्यापार के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों को भी निभाते आ रहे हैं। व्यापार महज एक आर्थिक गतिविधि नहीं है, बल्कि उसके समाज के प्रति कुछ दायित्व भी होते हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे प्रभो! मेरे पिता के घर बहुत बड़ा उत्सव है। यदि आपकी आज्ञा हो तो हे कृपाधाम! मैं आदर सहित उसे देखने जाऊँ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

पूछेउ तब सिवँ कहेउ बखानी। पिता जग्य सुनि कछु हरषानी॥
जौं महेसु मोहि आयसु देहीं। कछु दिन जाइ रहौं मिस एहीं॥

सतीजी ने (विमानों में देवताओं के जाने का कारण) पूछा, तब शिवजी ने सब बातें बतलाईं। पिता के यज्ञ की बात सुनकर सती कुछ प्रसन्न हुईं और सोचने लगीं कि यदि महादेवजी मुझे आज्ञा दें, तो इसी बहाने कुछ दिन पिता के घर जाकर रहूँ॥

पति परित्याग हृदयँ दुखु भारी। कहइ न निज अपराध बिचारी॥
बोली सती मनोहर बानी। भय संकोच प्रेम रस सानी॥

क्योंकि उनके हृदय में पति द्वारा त्यागी जाने का बड़ा भारी दु:ख था, पर अपना अपराध समझकर वे कुछ कहती न थीं। आखिर सतीजी भय, संकोच और प्रेमरस में सनी हुई मनोहर वाणी से बोलीं- ॥

दो0-पिता भवन उत्सव परम जौं प्रभु आयसु होइ।
तौ मैं जाउँ कृपायतन सादर देखन सोइ॥

हे प्रभो! मेरे पिता के घर बहुत बड़ा उत्सव है। यदि आपकी आज्ञा हो तो हे कृपाधाम! मैं आदर सहित उसे देखने जाऊँ॥

(क्रमश:..)

महबूबा की पार्टी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं बचा

पहले इस साल हुए लोकसभा चुनावों में और अब जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को जो झटका लगा है उसके चलते इस पार्टी के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है। देखा जाये तो अपने संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद के निधन के बाद से पीडीपी एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है। मुफ्ती मोहम्मद सईद के बाद उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती ने पार्टी और सरकार की कमान तो संभाली लेकिन ना वह सरकार चला पाईं ना ही अपनी पार्टी को आगे बढ़ा पाईं। महबूबा मुफ्ती के पास कितना राजनीतिक कौशल है इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ वर्षों तक काम कर चुके कई बड़े नेता पीडीपी छोड़ चुके हैं। इसके अलावा, इस साल हुए लोकसभा चुनावों में महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजौरी सीट से चुनाव हार गयीं और अब उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती दक्षिण कश्मीर की बिजबेहरा सीट से चुनाव हार गयीं। यही नहीं, महबूबा ने अपने भाई तस्सदुक हुसैन मुफ्ती को भी राजनीति में स्थापित करने का प्रयास किया लेकिन विफल रहीं।

हम आपको याद दिला दें कि महबूबा मुफ्ती ही वही शख्स हैं जिन्होंने कहा था कि यदि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया गया तो राज्य में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं होगा। लेकिन अब स्थिति यह है कि जम्मू-कश्मीर में हर हाथ में तिरंगा है और महबूबा की पार्टी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं है। इस बार महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने या किंगमेकर बनने के उद्देश्य से चुनाव लड़ा था लेकिन जनता ने उनकी किसी उम्मीद को पूरा नहीं होने दिया। जनता ने जिस तरह पीडीपी के गढ़ माने जाने वाले बिजबेहरा में महबूबा की बेटी को करारी शिकस्त दी है वह दर्शाता है कि कट्टरपंथियों और आतंकवाद के प्रति नरम रुख अपनाने वालों के दिन अब राजनीति में लद चुके हैं। हम आपको याद दिला दें कि चुनावों के बीच ही महबूबा ने प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी पर से प्रतिबंध हटाने की मांग की थी। चुनावों के दौरान एक तरह से अलगाववादियों को उनका खुला समर्थन साफ नजर आ रहा था लेकिन जनता ने किसी भी अलगाववादी को विधानसभा नहीं पहुँचने दिया।

वर्ष 2016 से 2018 तक मुख्यमंत्री रहीं महबूबा ने इस बार चुनाव नहीं लड़ा था। उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती अपने पहले विधानसभा चुनाव में श्रीगुफवारा-बिजबेहरा सीट से हार गईं। महबूबा को उम्मीद थी कि उनकी पार्टी पीडीपी क्षेत्रीय राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिए पर्याप्त सीट जीतेगी। वैसे पार्टी की उम्मीदें कम होने का संकेत इल्तिजा ने चुनाव से पहले ही दे दिया था जब उन्होंने कहा था कि ''पीडीपी किंगमेकर होगी'' क्योंकि चुनाव में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति बनेगी। पीडीपी की इस करारी हार पर इल्तिजा मुफ्ती ने कई कारणों को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि हमारे 25 विधायक, दो राज्यसभा सदस्य और कई मंत्री पार्टी से चले गए और उनके साथ ही हमारे कार्यकर्ता भी पार्टी छोड़कर चले गए। उनका कहना है कि हमारी पार्टी पर हुआ यह हमला इस हार का सबसे बड़ा कारण है। हम आपको बता दें कि इस बार के विधानसभा चुनाव में पीडीपी ने कुल 84 सीटों पर चुनाव लड़ा था जिनमें से उसे मात्र तीन सीटों पर जीत मिली है। पीडीपी का यह प्रदर्शन दर्शा रहा है कि महबूबा अपने पिता की पार्टी को रसातल में पहुँचा चुकी हैं।

महबूबा मुफ्ती ही वही शख्स हैं जिन्होंने कहा था कि यदि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया गया तो राज्य में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं होगा। लेकिन अब स्थिति यह है कि जम्मू-कश्मीर में हर हाथ में तिरंगा है और महबूबा की पार्टी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं है।

देखा जाये तो आतंकवादियों के जनाजे में शामिल होती रहीं महबूबा मुफ्ती के परिवार की वजह से ही जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ा लेकिन इन लोगों ने हमेशा आतंकवादियों का बचाव किया और उनके प्रति नरम रुख बनाये रखा। हम आपको याद दिला दें कि मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी और महबूबा मुफ्ती की बहन रुबैया सईद जब 1989 के अपने अपहरण से जुड़े मामले में साल 2022 में सीबीआई की विशेष अदालत के समक्ष पेश हुई थीं तो उस दौरान उन्होंने सिर्फ जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक की पहचान अपने अपहरणकर्ताओं के रूप में की। उन्होंने किसी अन्य को नहीं पहचाना था। इस पर महबूबा ने कहा था कि लंबा वक्त बीत जाने पर लोग बहुत कुछ भूल जाते हैं। हम आपको याद दिला दें कि 1989 में अपहरणकर्ताओं ने उन्हें पांच आतंकवादियों की रिहाई के बदले रिहा किया था। 1990 के दशक की शुरुआत में इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। रुबैया का अपहरण घाटी के अस्थिर इतिहास की एक प्रमुख घटना माना जाता है। उनकी आजादी के बदले जेकेएलएफ के पांच सदस्यों की रिहाई को आतंकी समूहों का मनोबल बढ़ाने वाले कदम के रूप में देखा गया था, जिन्होंने उस समय सिर उठाना शुरू किया था। रुबैया को आठ दिसंबर 1989 को श्रीनगर के लाल डेड अस्पताल के पास से अगवा कर लिया गया था। 13 दिसंबर 1989 को केंद्र की तत्कालीन वीपी सिंह सरकार द्वारा पांच आतंकियों को रिहा किए जाने के बाद अपहरणकर्ताओं ने उन्हें रिहा कर दिया था।

हम आपको बता दें कि विधि स्नातक 56 वर्षीय महबूबा ने 1996 में अपने पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ कांग्रेस में शामिल होकर राज्य की मुख्यधारा की राजनीति में प्रवेश किया था। यह वह समय था जब आतंकवाद अपने चरम पर था। वह पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य की पहली और अंतिम महिला मुख्यमंत्री थीं। 65 वर्षीय पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अपनी पार्टी को पुनर्जीवित करने की उम्मीद में उम्मीदवारों के लिए सक्रिय रूप से प्रचार किया था लेकिन जनता ने उनकी बात नहीं सुनी। वैसे वर्ष 1996 में अपने पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ राजनीति में आई महबूबा ने पीडीपी को एक क्षेत्रीय राजनीतिक शक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसने न केवल नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुकाबला किया बल्कि क्षेत्र की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी को उसके गठन के चार साल के भीतर सत्ता से बाहर कर दिया था। वर्ष 2002 में 16 सीटें जीतने वाली पीडीपी के विधायकों की संख्या 2008 में 21 और 2014 के विधानसभा चुनाव में 28 हो गई थी। महबूबा चार बार विधायक रह चुकी हैं। उन्होंने 1996, 2002, 2008 के आम चुनाव और 2016 के उपचुनाव में जीत दर्ज की। वह 2004 और 2014 के चुनाव में लोकसभा के लिए चुनी गई थीं।

बहरहाल, अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रही पीडीपी को चाहिए कि वह अपनी सोच और नीतियों में बदलाव लाये और देश के साथ खड़ी हो। पीडीपी को देखना चाहिए कि जिस पाकिस्तान से बातचीत की वह बार-बार हिमायत करती है उसने इस बार के चुनाव में पीडीपी का नहीं बल्कि नेशनल कांफ्रेंस का समर्थन कर दिया था। देखा जाये तो इसे ही कहते हैं ना घर के रहे ना घाट के।

- नीरज कुमार दुबे

राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कर पाएंगे प्रशांत किशोर ?

पटना का ऐतिहासिक गांधी मैदान तमाम रैलियों का गवाह रहा है, लेकिन इस मैदान में आधी सदी के अंतर पर हुई दो रैलियों में कम से कम बिहार की अवाम एक समानता देख रही है। पांच जून 1974 को 72 साल के बुजुर्ग जेपी ने संपूर्ण क्रांति का नारा देकर इंदिरा की सर्वशक्तिमान सत्ता को उखाड़ने की पूर्व पीठिका रच दी थी। इस बार इंदिरा की सत्ता उखाड़ने जैसा कोई लक्ष्य तो नहीं है, लेकिन गांधी जयंती के अगले दिन तीन अक्टूबर को 47 साल के प्रशांत किशोर से बड़ी उम्मीदें लगा रखी हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या प्रशांत किशोर अपनी पार्टी के जरिए जनसुराज की बयार बिहार की धरती पर बहा पाएंगे या फिर बदलाव की राजनीति का दावा करने वाले दूसरे लोगों की तरह वे भी पारंपरिक राजनीति का ही हिस्सा बन जाएंगे? वैसे बिहार में ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिन्हें ठीक उसी तरह प्रशांत किशोर से उम्मीद नहीं है, जैसी नाउम्मीदी पारंपरिक दलों से है।

बिहार की राजनीति के संदर्भ में प्रशांत किशोर की राजनीतिक पारी की पड़ताल करने से पहले एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या वे बिहार की राजनीति में तीसरा स्तंभ भी बन पाएंगे? बिहार में यूं तो छोटे-बड़े कई राजनीतिक दल हैं, लेकिन मोटे तौर पर राज्य की राजनीति दो खेमों में बंटी हुई है। राष्ट्रीय जनता दल की अगुआई वाले गठबंधन में तमाम तरह की वैचारिकी वाले कई दल शामिल हैं, जिनमें देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी तो है ही, वामपंथी दल भी हैं। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी की अगुआई में नीतीश कुमार का जनता दल यू, जीतनराम मांझी की हम, उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा और चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी शामिल है। इस दो खेमे की राजनीति के बीच में यह सवाल उठना वाजिब है कि क्या प्रशांत किशोर इन दोनों गठबंधनों के बीच अपनी तीसरी राह बना पाएंगे?

बिहार की राजनीति का जब भी संदर्भ आता है, गर्व भाव से उसे याद किया जाता है। प्रथम स्वाधीनता संग्राम में बिहार के बेटे ने कुंवर सिंह ने जहां देश को नई दिशा दिखाई, स्वाधीनता संग्राम में जयप्रकाश नारायण ने भी नौजवानों को उसी अंदाज में जगा दिया था। इन्हीं जयप्रकाश को दूसरी आजादी का नायक का भी सम्मान हासिल है। बिहार की राजनीति का जब भी बखान होता है, तब इन ऐतिहासिक चरित्रों के हवाले से यह दावा जरूर किया जाता है कि बिहार की राजनीति भविष्य की राजनीति को प्रभावित करती है। इसे उलटबांसी ही कहा जा सकता है कि जिस बिहार की धरती का गौरवबोध वैशाली के गणतंत्र से भर उठता है, जिसे बुद्ध और महावीर की धरती का गौरव हासिल है, उसी बिहार की धरती आज के दौर में जातिवादी राजनीति में ही अपना आज का गौरव ढूंढने में गर्व महसूस करती है। दिलचस्प यह है कि बिहार की राजनीति को लेकर गर्वबोध से भरा रहने वाला समाज भी अपनी धरातली सोच में जातिवादी बोध को अलग नहीं कर पाता। फिर भी बिहार में एक वर्ग ऐसा भी है, जो बिहार के मौजूदा पिछड़ेपन से चिंतित रहता है। जिसे इस यह बात सालती है कि उसके राज्य के हर गांव की जवान आबादी का बड़ा हिस्सा दुनियाभर में दिहाड़ी मजदूर बनने को मजबूर है। इसी वर्ग की उम्मीद बनकर प्रशांत किशोर उभरे हैं। प्रशांत किशोर से आस लगाए वर्ग को बिहार की दरिद्रता, बिहारी लोगों का राज्य के बाहर मिलने वाला अपमान सालता है। इसलिए वे चाहते हैं कि प्रशांत किशोर उभरें और राज्य की जाति-धर्म वाली राजनीति को बदलें। बिहार की बदहाली को दूर करें।

किसी भी नया काम करने वाले को समाज पहले हंसी उड़ाता है, इसके बावजूद अगर वह रूका नहीं तो उसे कुछ उपलब्धियां हासिल होने लगती हैं। इससे समाज के स्थापित प्रभु वर्ग को परेशानी होने लगती है। तो वह उन उपलब्धियों की अनदेखी करने लगता है। फिर भी व्यक्ति रूकता नहीं तो उसकी उपलब्धियों को वही समाज नोटिस लेने लगता है और आखिर में उसे सर आंखों पर बैठा लेता है। प्रशांत किशोर इस प्रक्रिया के दो चरणों को पार कर चुके हैं। अब उनकी उपलब्धियों का बिहारी राजनीतिक दल नोटिस लेने लगे हैं। हालांकि उन्हें बार-बार पांडेय बताकर जातिवादी त्रिशूल से उन्हें बेधने की राजनीतिक कोशिश भी हो रही है। दिलचस्प यह है कि उनके ब्राह्मण होने का प्रचार बार-बार आरजेडी की तरफ से हो रहा है। जिसका पूरा राजनीतिक वजूद ही मुस्लिम और यादव समीकरण पर टिका है।

प्रशांत किशोर ने दो साल तक लगातार बिहार की पदयात्रा की है। जनसुराज यात्रा के नाम से हुई इस यात्रा के जरिए उन्हें ज्यादातर उत्तरी बिहार को अपने कदमों तले नापा है। इसके जरिए उन्होंने अपना बड़ा समर्थक वर्ग तैयार किया है। जिसमें जाति और धर्म से इतर सोचने वाले युवाओं की अच्छी-खासी फौज है। तीन अक्टूबर को पटना के गांधी मैदान में इस वर्ग की उपस्थिति जहां प्रशांत किशोर से आस लगाने का आधार उपलब्ध कराती है तो बिहार के दूसरे पारंपरिक दलों के लिए चिंता का सबब भी बनती है। इसी चिंता से बिहार के पारंपरिक दल चिंतित हैं। राजनीतिक दल उस दल के उभार से ज्यादा चिंतित होते हैं, जिनसे उनके पारंपरिक आधार वोट बैंक के छीजने का खतरा ज्यादा होता है। लेकिन प्रशांत किशोर हर वर्ग के उन युवाओं के प्रेरणा केंद्र बनते दिख रहे हैं, जिनके लिए बिहार का बदलाव प्राथमिक लक्ष्य है। जिन्हें यह बदलाव जाति और धर्म की बजाय मेरिट पर होने की उम्मीद है।

लेकिन क्या प्रशांत किशोर इस जाति-धर्म की राजनीति से सचमुच दूर हैं? बिहार की राजनीति पिछली सदी के नब्बे के दशक से कमंडल और मंडल खेमे के बीच झूलती रही है। जाति और धर्म की अनदेखी करने का दावा करने वाले प्रशांत किशोर इससे आगे दलितवाद की ओर आगे बढ़ते दिख रहे हैं। दिलचस्प यह है कि उनकी टीम में केजरीवाल की टीम जैसे पूर्व नौकरशाह और समाजसेवी की भीड़ दिखती है। जनता दल, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद रहे देवेंद्र यादव, जनता दल यू के पूर्व राज्यसभा सांसद एवं पूर्व राजनयिक पवन वर्मा, पूर्व राजनयिक मनोज भारती प्रशांत किशोर के सहयोगी हैं। देवेंद्र यादव के सितारे इन दिनों गर्दिश में हैं तो पवन वर्मा को बाद के दिनों में नीतीश ने भाव नहीं दिया। जिस तरह केजरीवाल की राजनीति से उन लोगों ने ज्यादा उम्मीद लगाई और साथ दिया, जिन्हें पारंपरिक दल तवज्जो नहीं देते थे, कुछ वैसा ही हाल प्रशांत किशोर की नवेली पार्टी का भी दिख रहा है। ऐसे में शक की गुंजाइश बढ़ जाती है कि प्रशांत भी ताकत पाकर कहीं केजरीवाल की पार्टी के अवसरवादी और नाटकबाजी राजनीति की कॉपी ना बन जाएं।

लोहिया और जयप्रकाश मानते थे कि सत्ता में दलों का बदलने की बजाय जरूरी है कि तंत्र में बदलाव लाना। फिलहाल प्रशांत किशोर तंत्र यानी व्यवस्था में ही बदलाव का दावा कर रहे हैं। इसी वजह से उनके प्रशंसकों की संख्या बढ़ी है। लेकिन वे ऐसा तभी कर पाएंगे, जब उन्हें बिहार की जनता 2025 के विधानसभा चुनावों में उन्हें मजबूत समर्थन देगी। प्रशांत किशोर तंत्र तभी बदल पाएंगे, जब उनके पास पारंपरिक राजनेता नहीं होंगे, बल्कि राजनीति का सुचिंतन वाला नया खून उनके पास होगा। फिलहाल निर्णायक भूमिकाओं में जो दिख रहे हैं, वे पूर्व नौकरशाह हैं। नौकरशाहों को लेकर यह मानने में हर्ज नहीं है कि वे आम नेताओं की तरह जनता की परवाह ज्यादा करेंगे। सवाल यह है कि प्रशांत किशोर इस नजरिए से सोच भी रहे हैं या नहीं?

- उमेश चतुर्वेदी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार हैं

राशिफल

आश्विन शुक्ल पक्ष : एकादशी

(विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय रहेगा। स्वास्थ्य आपका अच्छा चल रहा है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। जबकि आराम-तलब चीजें लग्जरी आइटम की बढ़ोत्तरी होगी।

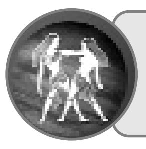

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
जो भी आपने सोचा है, उसे व्यावसायिक रूप से लागू करें। लाभ होगा। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान अच्छा और व्यापार अच्छा है।

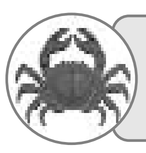

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
धन का आवक भी बढ़ेगा, लेकिन खर्च की अधिकता हो सकती है। अगर खर्च किया, तो नुकसान भी होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
पॉजिटिव ऊर्जा आपके अंदर बहुत अच्छी चल रही है। स्वास्थ्य बहुत अच्छा चल रहा है।

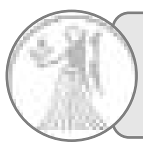

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
खर्च की अधिकता रहेगी। मन परेशान रहेगा। फिर भी एक रौब और रुआब आपके अंदर बना रहेगा।

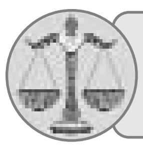

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आर्थिक मामले सुलझेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। सरकारी तंत्र से पंगेबाजी न करें। सिर दर्द,नेत्र पीड़ा संभव है।

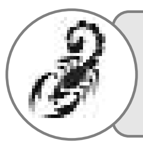

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यावसायिक, व्यापारिक संतुलन बनेगा। तरक्की करेंगे। जो भी सरकारी तंत्र है, कोर्ट-कचहरी है, राजनीतिक है।

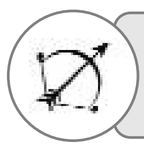

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान बहुत अच्छा है और व्यापार बहुत अच्छा है।

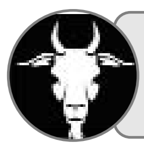

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं एक दिन बस, उसके बाद सबकुछ अच्छा हो जाएगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

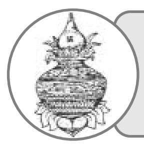

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आनंददायक जीवन गुजरेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान का भरपूर सहयोग मिलेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

विजयादशमी के पावन अवसर पर गोरखनाथ मंदिर परिसर में गोरक्षपीठाधीश्वर व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर में विद्यमान देव विग्रहों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर लोक-मंगल की कामना की।

विजय दशमी पर आर्य वीरों एवं वीरांगनाओं का शौर्य प्रदर्शन

गाज़ियाबाद (चेतना मंच)। आर्य समाज वृंदावन गार्डन एवं केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में विजय दशमी के उपलक्ष्य में वीर पर्व पर प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता के निर्देशन में व्यायाम की विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं दौड़ का आयोजन किया गया।आर्य वीरों एवं वीरांगनाओं का शौर्य प्रदर्शन डा .राम मनोहर लोहिया पार्क साहिबाबाद में हर्षोल्लास से संपन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर हुआ।

केन्द्रीय आर्य आर्य युवक परिषद के राष्टीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है।इसे वीर पर्व कि संज्ञा दी गई है वेद कहते हैं 'वीर भोग्या वसुन्धरा' यानी वीर लोग ही धरती का सुख भोगते हैं।मंदिर में स्थापित मूर्तियां भगवान श्रीकृष्ण, श्रीराम,हनुमान, परशुराम आदि सभी कोई सुदर्शन चक्र, धनुष,फरसा, तलवार,गदा धारी हैं,शक्ति का संदेश दे रही हैं।कभी आर्यों का चक्रवर्ती राज्य रहा है।सत्य की जीत के लिए शक्ति भी होना आवश्यक है। आर्य गायक विजेन्द्र आर्य एवं पिंकी आर्या के मधुर गीत सुनकर श्रोता झूम उठे।

समारोह में 127 आर्य वीरों एवं वीरांगनाओं ने विजय दशमी वीर पर्व पर दिखाये भव्य शौर्य प्रदर्शन आकर्षण का केन्द्र रहे। प्रतियोगिता में जीते प्रतिभागियों को क्रमशः प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय पुरूस्कार के साथ प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

आर्य समाज के प्रधान कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि हम युवा पीढ़ी उत्साह के लिए रोचक कार्यक्रम करते रहेंगे। कार्यक्रम के सूत्रधार एवं संयोजक जिला मंत्री सुरेश आर्य ने मंच का कुशल संचालन किया।

प्रांतीय अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने कहा कि वैदिक काल से ही भारतीय संस्कृति वीरता व शौर्य की उपासक रही है।विजया दशमी केवल एक पर्व ही नही अपितु इसे कई बातों का प्रतीक माना जाता है। दशहरें में रावण के दस सिर इन दस पापों के सूचक माने जाते है। काम, क्रोध, लोभ, मोह, हिंसा, आलस्य, झूठ, अहंकार, मद और चोरी।इन सभी पापों से हम किसी न किसी प्रकार से मुक्ति चाहते हैं। समाज में दिनों-दिन बुराइयाँ व असमानताएँ भी रावण के पुतले कि तरह बड़ी होती जा रही है।हमें इन पर्वो को सिर्फ़ परंपरा के रूप में नही निभाना चाहिए हमें इन त्योहारों से मिले संकेत और संदेशों को अपने जीवन में भी उतारने का प्रयत्न करना चाहिए।

आर्य नेता प्रमोद चौधरी ने कहा कि यह पर्व हमें संदेश देता है कि 'अन्याय और अधर्म का विनाश' तो प्रत्येक स्थिति मे सुनिश्चित है। फिर चाहे आप दुनिया भर की शक्तियों और प्राप्तियों से संपन्न ही क्यो न हों, अगर आपका आचरण सामाजिक गरिमा या किसी भी व्यक्ति विशेष के प्रति गलत होता है तो आपका विनाश भी तय है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आर्य बंधु देवेन्द्र आर्य ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए विजय दशमी की शुभकामनाएं प्रदान की।उन्होंने कहा कि विजय दशमी के इस पावन पर्व पर हम सबको संकल्प लेना होगा कि देश और समाज की प्रगति के लिए हम अपनी सभी बुराइयों को भी रावण के पुतले के साथ सदा-सदा के लिए दहन कर देंगे और समाज व देश कि उन्नति के लिए कार्य करेंगे। प्रमुख रूप से डा प्रमोद सक्सेना,कृष्ण कुमार आर्य,भूपेंद्र आर्य, रीतम आर्य, जगदीश सैनी,एस सी सिंह,के पी सिंह, रामपाल चौहान, कुमारी शाक्षी रावत आदि उपस्थित रहे। शांतिपाठ एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

पेरिस पैरालंपिक पदक विजेताओं का किया स्वागत

एडवंस फिजियोथेरेपी सेंटर पर खिलाड़ियों का सम्मान समरोह आयोजित

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर गामा-2 स्थित एडवंस फिजियोथेरेपी सेंटर पर पेरिस पैरालंपिक पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। खिलाडियों का ढोल-नगाडे और फूल माला पहना कर जारदार स्वागत किया गया। एडवांस फिजियोथरेपी सेंटर के चैयरमेन डॉक्टर रविन्द्र कुमार ने बताया कि पेरिस 2024 में पैरालंपिक में देश के खिलाडियों ने 29 पदक जीत कर देश दुनिया में देश का नाम किया था। डॉक्टर की टीम ने ढोल-नगाडों के साथ फूल माला पहना ओर उपहार देर कर सम्मान किया किया।

कार्यक्रम में जेवलिन थ्रो में गोल्ड जितने वाले सुमित अतिंल ने बताया कि खेल में फिजियोथेरेपी का अहम रोल होता हैं। इसके सहारे से ही मेडल जिते जा सकते हैं। वहीं एडवांस फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर विपिन कुमार ने बताया कि सुमित अंतिल, नवदीप, योगेश कथुरिया, प्रणव सुरमा, निरज यादव, साक्षी कसाना, सुंदर गुर्जर, अशोक आदि खिलाडियों को भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान डॉक्टर सुरेश नगार, नितिन कुमार, सजय भाटी, डॉक्टर मोहित, डॉक्टर शिव कुमार, डॉक्टर उमा, डॉक्टर अनु, डॉक्टर विपिन कुमार, डॉक्टर सौरभ, आदि लोग मौजूद रहे।

सेक्टर-62 कार्ल ह्यूबर स्कूल के जूनियर और सीनियर विंग के विद्यार्थियों द्वारा स्वयं बनाए गए विज्ञान और प्रौद्योगिकी और गणित के अद्भुत कार्डबोर्ड, कागज, और वेस्ट मैटीरियल से बनाई चीजों की प्रदर्शनी लगाई गई। आर के उप्रेती अध्यक्ष मुख्य अतिथि रहे। विद्यालय की मुख्य अध्यापिका श्रीमती स्मिता के अनुसार इस विद्यालय से बहुत से विद्यार्थी हर वर्ष मेडिकल तथा इंजीनियरिंग की परीक्षा में स्थान पाते हैं।

हजारों किसान कल करेंगे कलेक्ट्रेट का घेराव

ग्रेटर नोएडा। उच्च स्तरीय कमेटी की सिफारिश को सार्वजनिक करने सहित अन्य मांगों को लेकर जिले के हजारों किसान सोमवार यानी 14 अक्तूबर को सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे। मांगों के पूरा न होने पर महापड़ाव की भी चेतावनी दी है। आंदोलन को सफल बनाने के लिए शनिवार को अखिल भारतीय किसान सभा के कार्यकताओं ने श्योराजपुर, कैलाशपुर, बादलपुर, सादोपुर और घंघोला में जन चेतना यात्रा निकाली। साथ ही नुक्कड़ सभाएं कर लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। किसान सभा के जिलाध्यक्ष डॉ़ रूपेश वर्मा ने कहा कि पूर्व में लंबे समय तक चले आंदोलन के बाद जिले में भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए बीते 21 फरवरी 2024 को मुख्यमंत्री ने उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया था। कमेटी के अध्यक्ष राजस्व परिषद के अध्यक्ष और सदस्य मंडलायुक्त मेरठ और डीएम गौतमबुद्धनगर बनाए गए थे। कमेटी ने अपनी सिफारिश मुख्यमंत्री को सौंप दी, लेकिन सरकार सार्वजनिक नहीं कर रही है। इससे किसानों में नाराजगी बढ़ रही है। अखिल भारतीय किसान सभा, जय जवान जय किसान, किसान संयुक्त मोर्चा सहित विभिन्न संगठनों ने समस्याओं को हल करने के लिए 14 अक्तूबर को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करेंगे।

गांवों में जन चेतना यात्रा और पंचायत के दौरान सूले यादव, दिनेश यादव, शिशांत भाटी, अभय भाटी, वीर सिंह नागर, नरेंद्र नागर, फिरे नागर, अजब सिंह नागर, जगदीश नंबरदार, निरंकार प्रधान एडवोकेट, विनोद भाटी, रूप सिंह भाटी, खड़क सिंह, ब्रजवीर सिंह, रूपचंद भाटी, ब्रहम सिंह, अशोक आर्य, रविंद्र बैसोया आदि शामिल हुए।

विजयदशमी पर जरूरतमंदों को सीटू ने किया भोजन वितरण

नोएडा। अन्याय, असत्य, अत्याचार और बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक विजयदशमी पर्व पर जरूरतमंदों को भोजन वितरण कर सीटू जिलाध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने दी सभी देश व जनपद वासियों को विजयदशमी की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने बताया कि गांव बरौला सेक्टर-49, नोएडा शिव मंदिर पर हमारे परिवार के सदस्य मुकेश शर्मा, डोली शर्मा, नीतू शर्मा, मायावती, राहुल शर्मा, तुषार शर्मा, पुष्पेंद्र शर्मा, दिनेश शर्मा, राजेश शर्मा, भूपन शर्मा आदि वशिष्ठ परिवारजनों द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में कई सों लोगों ने प्रसाद के रूप में भोजन ग्रहण किया। साथ ही उन्होंने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम वशिष्ठ परिवार द्वारा समय-समय पर किए जाते रहते हैं।

रावण व कुंभकर्ण के पुतलों का किया दहन

दादरी। रामलीला में भव्य व दिव्य सोभा यात्रा सूरज फार्म से नगर के मुख्य मार्गों से होते हुई रामलीला प्रांगण में पहुँची, जिसमे श्री राम जी का डोला आकर्षण का केंद्र रहा, इसके साथ सीता का रथ, काली अखाड़ा, श्री बाँके बिहारी की मनमोहक झाँकी, महाकाल की पालकी आदि झाँकियों द्वारा मेला अग्रसेन इण्टर कॉलेज प्रांगण में पहुँची उसके बाद श्री राम ने रावण व कुंभकर्ण के विशाल पुतलों का दहन किया गया। इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष पवन बंसल, महामंत्री केशव गोयल, पीयूष गर्ग, अजय गर्ग, मयंक गर्ग, वेदन शर्मा, चंद्रभान वशिष्ठ, राजीव गर्ग आदि मोजूद रहे।

मिशन शक्तिः महिलाओं को किया जागरूक

नोएडा। जनपद में महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु 'मिशन शक्ति' फेज-5 अभियान चलाया जा रहा है।

शनिवार को पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में एवं डीसीपी महिला सुरक्षा श्रीमती सुनीति के पर्यवेक्षण में एवं एसीपी महिला सुरक्षा श्रीमती सौम्या सिंह के नेतृत्व मे मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा टीम द्वारा सभी थाना क्षेत्रों के अलग-अलग स्कूलों, कॉलेज, गांव, सोसायटियों, लेबर कॉलोनियों, बाजारों में जाकर महिलाओं एवं बच्चियों को एकत्र करते हुए उनसे वातार्लाप करते हुए सभी को महिला सशक्तिकरण अभियान, महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों के संबंध में जानकारी देते हुए शासन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे मिशन शक्ति 5.0, शुभ मंगल योजना, विभिन्न प्रकार के साइबर क्राइम एवं उनसे सुरक्षा के बारे में जागरूक किया गया। मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के तीनों जोन के विभिन्न थाना क्षेत्रों में महिला पुलिस टीम द्वारा महिला सशक्तिकरण, आत्मरक्षा, घरेलू हिंसा, पॉक्सो एक्ट, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य, बच्चों के विकास व कौशल आदि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है।

वीर कुंवर सिंह शोध संस्थान में हुआ शस्त्र पूजन

संस्थान के लिए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद अरुण सिंह ने दिए 25 लाख

नोएडा। नोएडा के राजपूत संगठन ने वीर कुंवर सिंह शौध संस्थान के परिसर सम्राट पृथ्वीराज चौहान भवन, बी-23 सी, सैक्टर 62 नोएडा पर शस्त्र-पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया। मंच पर सांसद व भाजपा के राष्टःीय महासचिव ठाकुर अरूण सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आनन्द कुमार चौहान ने की। कार्यक्रम भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह सिसौदिया, डाक्टर वी एस चौहान, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री कर्ण सिंह चौहान , प्रकाश सिंह, ठा मान सिंह चौहान, ठा करतार सिंह चौहान, मदन चौहान, प्रेम सिंह चौहान, एम पी सिंह आदि उपस्थित हुए। इस अवसर पर वीर कुंवर सिंह शौध संस्थान के भवन निर्माण हेतु सांसद अरूण सिंह ने सांसद निधि से पच्चीस लाख रुपये देने की घोषणा की। मंच संचालन राकेश सिंह चौहान (कोषाध्यक्ष) ने किया।

कार्यक्रम में एन पी सिंह, सुरेंद्र प्रधान, ओमवीर सिंह राणा, जुगराज चौहान, सुंदर राणा, रोहतास चौहान, रवि प्रधान, के पी सिंह राघव, अशोक चौहान, आनंद वर्धन चंदेल, ठाकुर कमल सिंह, नवीन राणा, रूद्रप्रताप सिंह, महावीर सिंह, एस पी सिंह, संजय चौहान, राम औतार सिंह, आदि सहित सैकड़ों राजपूत सम्मिलित हुए।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

हांगकांग सिक्सेस के लिए भारतीय टीम का ऐलान

रॉबिन उथप्पा के हाथ में टीम की कमान

नई दिल्ली। पाकिस्तान के बाद भारत ने भी हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। 1 नवंबर 2024 से शुरू होने वाले हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का नेतृत्व पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा करेंगे। भारत आखिरी बार यह टूर्नामेंट 2005 में जीता था। क्रिकेट हांगकांग ने शनिवार को एक्स हैंडल पर हांगकांग सुपर सिक्सेस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया। कप्तान रॉबिन उथप्पा के अलावा, भारत के पूर्व बल्लेबाज केदार जाधव, मनोज तिवारी, बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज नदीम, भरत चिपली, विकेटकीपर-बल्लेबाज श्रीवत्स गोस्वामी और ऑलराउंडर स्टुअर्ट बिन्नी भी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। सात साल के अंतराल के बाद वापस आने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं। जिनको चार पूल में बांटा गया है। पूल सी में भारत, पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) है। पिछला संस्करण 2017 में खेला गया था जिसे दक्षिण अफ्रीका ने जीता था।

टूर्नामेंट में भारत–पाक होंगे आमने सामने

हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट में छह सदस्यीय पाकिस्तानी टीम की अगुआई ऑलराउंडर फहीम अशरफ करेंगे। सीनियर बल्लेबाज आसिफ अली और बाएं हाथ के बल्लेबाज हुसैन तलत भी टीम का हिस्सा हैं। इनके अलावा दानिश अजीज, मुहम्मद अखलाक (विकेट कीपर) और शहाब खान को भी टीम में शामिल किया गया है। पूर्व टेस्ट विकेटकीपर–बल्लेबाज सलीम यूसुफ को टूर्नामेंट के लिए मैनेजर बनाया गया है।

आस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 9 विकेट से हराया

दुबई। गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया ने दायें हाथ की ऑफस्पिनर एशले गार्डनर (21 रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर शुक्रवार को यहां पाकिस्तान को यहां महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मैच में नौ ओवर रहते नौ विकेट से हरा दिया। आस्ट्रेलिया इस तरह लगातार तीसरी जीत से छह अंक लेकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली प्रबल दावेदार बन गई। गार्डनर के अलावा अनाबेल सदरलैंड और जॉर्जिया वारेहैम के दो दो विकेट से आस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 19.5 ओवर में 82 रन पर ढेर कर दिया। अपने दोनों शुरुआती मैच जीतने वाली आस्ट्रेलिया ने यह लक्ष्य 11 ओवर में एक विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। उसके लिए बेथ मूनी ने 15 रन बनाये जबकि एलिसा पैरी 22 रन बनाकर नाबाद रहीं। कप्तान एलिसा हीली 37 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गईं, जो टीम के लिए चिंता का विषय होगा। चोटों से जूझ रही पाकिस्तानी टीम के लिए केवल चार बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सकी जिसमें आलिया रियाज 26 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं। आस्ट्रेलियाई गेंदबाज ने स्टंप पर गेंदबाजी की और पाकिस्तानी खिलाड़ियों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। पाकिस्तान की टीम पावरप्ले के दौरान बहुत सतर्क लग रही थी और धीमी शुरूआत के बाद उसने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाना जारी रखा।

भारत की बांग्लादेश के खिलाफ ऐतिहासिक जीत, 3-0 से रौंदा

टी20 सीरीज

हैदराबाद। भारत ने बांग्लादेश को टी20 सीरीज में 3-0 से हरा दिया है। टीम इंडिया ने हैदराबाद में खेले गए तीसरे टी20 मैच में 133 रनों से जीत दर्ज की। भारत और बांग्लादेश के बीच शनिवार को तीन मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला गया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 297 रन बनाए। वहीं बांग्लादेश को जीत के लिए 298 रन का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम निर्धारित 20 ओवर 7 विकेट खोकर महज 164 रन ही बना सकी। इस तरह भारतीय टीम ने आखिरी मुकाबले को 133 रनों से अपने नाम किया। गौरतलब हो भारतीय टीम का टी20 क्रिकेट में यह सबसे बड़ा स्कोर है। भारत की तरफ से संजू सैमसन और कप्तान सूर्यकुमार ने तूफानी पारी खेली। भारत की ओर से संजू सैमसन (111), सूर्यकुमार यादव (75) हार्दकि पंड्या (47) ने तूफानी पारियां खेलीं।

सैमसन-सूर्या की तूफानी पारी

टॉस जीतने के बाद बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत सधी हुई रही। अभिषेक शर्मा (20) ने तीसरे ओवर में अपना विकेट गंवाया। इसके बाद, सैमसन और सूर्या ने बखूबी मोर्चा संभाला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 173 रनों की यादगार पार्टनरशिप की। सैमसन ने 40 गेंदों में सेंचुरी कंप्लीट की। वह 14वें ओवर में मुस्तफिजुर का शिकार बने। उन्होंने 47 गेंदों में 11 चौकों और 8 छक्कों की मदद से 111 रन बनाए। कप्तान सूर्या ने 35 गेंदों में 75 रन जुटाए।

दूसरा सबसे बड़ा स्कोर

संजू और सूर्या ने मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी की है। फुल मेंबर नेशन के अलाव पूरी दुनिया की बात की जाए तो यह टी20 इंटरनेशनल में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 70 गेंदों पर 173 रनों की साझेदारी हुई। यह टी20 इंटरनेशनल में दूसरे विकेट के लिए चौथी सबसे बड़ी साझेदारी है। टी20 इंटरनेशनल में नेपाल की टीम ने सबसे बड़ा स्कोर बनाया था। नेपाल ने साल 2023 में मंगोलिया के खिलाफ 314 रन बनाए थे।

भारतीय जेलों में शतरंज खेल रहे कैदी, जीते पदक

नई दिल्ली। शतरंज ओलंपियाड के बाद भारत के लिए एक और बड़ी उपलब्धि सामने आई है। कैदियों के लिए चौथी इंटरकांटिनेंटल ऑनलाइन शतरंज चैंपियनशिप में भोपाल और एलुरु के किशोर गृह में रखे गए खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण और एक कांस्य जीता है। फिंडे द्वारा ऑनलाइन करवाए जाते कार्यक्रम में 2 युवा टीमों के अलावा, दो और भारतीय टीमें पदक की दौड़ में थीं। यरवदा जेल की एक टीम पुरुष वर्ग में कांस्य पदक की लड़ाई में हार गई जबकि तिहाड़ जेल की एक महिला टीम रोमानिया की एक टीम से हार गई। इस वर्ष इस आयोजन में 115 देशों से टीमें थीं। इसमें भारत से 9 टीमों ने हिस्सा लिया था। ग्रैंडमास्टर अभिजीत कुंटे, जो भारत में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा संचालित "परिवर्तनः प्रिजन टू प्राइड" नामक कार्यक्रम का नेतृत्व करते हैं, ने जेल में कैदियों की स्थिति और शतरंज की शुरूआत पर अहम बातें कहीं। कुंटे ने कहा कि कुछ कैदी बहुत बुरी स्थिति में थे। वे आपस में लड़ते रहते थे। लेकिन जब उन्होंने शतरंज खेलना शुरू किया तो यह काफी कम हो गया। क्योंकि उन्होंने सोचा कि शतरंज के बारे में सोचना बेहतर है और आगे क्या करना है। एक कैदी ने मुझे बताया कि वे बहुत खुश हैं क्योंकि जेल के बाहर के लोग उनके बारे में सोच रहे हैं। मुझे लगता है कि यह ऐसे किरदार है जिन्हें लगता है कि उनकी हर समय अपेक्षा की गई। लेकिन अब शतरंज उन्हें पहचान दे रही है। उन्हें वहां रहने का अब मकसद मिल गया है। कुंटे, जो ओलंपियाड में भारतीय महिला टीम के कोच थे और वर्तमान में लंदन में आयोजित ग्लोबल शतरंज लीग में पी.बी.जी. अलास्का नाइट्स की कप्तानी कर रहे हैं, का अनुमान है कि उन्होंने पिछली बार जिन 9-10 जेलों का दौरा किया था।

IPL ऑक्शन से पहले धोनी ने लंबे बालों को कहा बाय–बाय

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज एमएस धोनी का स्टाइल और हेयरकट हमेशा चर्चा में रहता है। धोनी जब भी नए लुक में नजर आते हैं तो फैंस की दीवानगी अलग ही लेवल पर चली जाती है। आईपीएल 2025 ऑक्शन से पहले कुछ ऐसा ही देखने को मिला है। दरअसल, माही ने नया हेयरकट लिया है। उन्होंने लंबे बालों को बाय-बाय कह दिया है। उनके नए लुक की तस्वीरें सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट आलिम हकीम ने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जो कुछ ही देर में आग की तरह वायरल हो गईं। फैंस माही के नए हेयरस्टाइल पर फिदा हो गए हैं और जमकर रिएक्शन दे रहे। 43 वर्षीय धोनी की फोटो चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने भी साझा की हैं। दिग्गज क्रिकेटर अपने नए लुक से युवाओं को मात देते हुए नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, ''चेन्नई सुपर किंग्स में कमबैक करने वाले सबसे युवा अनकैप्ड प्लेयर।' दूसरे फैन ने कहा, 'अनकैप्ड धोनी शानदार लग रहे हैं। आलिम हकीम ने भी नियम बदले हैं।' तीसरे ने लिखा, 'एमएस धोनी एवरग्रीन लीजेंड हैं। उनकी विरासत हर गुजरते दिन के साथ और भी चमकती जा रही। कैप्टन कूल, लीडर, फिनिशर- हमेशा हमारे दिल में हैं।' अन्य यूजर ने कहा, 'धोनी दिन-ब-दिन और भी हैंडसम होते जा रहे हैं।' पिछले सीजन में सीएसके की कप्तानी छोड़ चुकी धोनी के एक बार फिर आईपीएल में खेलने की उम्मीद है। बीसीसीआई ने दो हफ्ते पहले आईपीएल रिटेंशन नियमों की घोषणा की है, जिसमें एक फ्रेंचाइजी अधिकतम 6 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। वहीं, जिन भारतीय खिलाड़ियों ने कम से कम पांच कैलेंडर वर्ष में कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है।

जामनगर के नए राजा होंगे अजय जडेजा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर अजय जड़ेजा को नवानगर का अगला जाम साहब नामित किया गया है। गुजरात की एक रियासत को जामनगर के नाम से जाना जाता है। नवानगर के महाराजा जाम साहब ने एक बयान में इस खबर की पुष्टि की। जाम साहेब शत्रुशल्यसिंह दिग्विजयसिंह जाडेजा ने दशहरा त्योहार पर इसकी घोषणा की। जडेजा ने 1992 से 2000 के बीच भारत के लिए 196 वनडे और 15 टेस्ट मैच खेले। वह जामनगर राजघराने से ताल्लुक रखते हैं। जामनगर के महाराजा शत्रुशल्यसिंह जडेजा, क्रिकेटर के पिता दौलतसिंह जडेजा के चचेरे भाई हैं। दौलतसिंह जडेजा 1971 से 1984 तक जामनगर से तीन बार सांसद रहे। शत्रुशल्यसिंह जडेजा ने एक बयान में घोषणा की, 'आज दशहरे के दिन मैं खुश हूं, क्योंकि अजय जडेजा की बदौलत मेरी एक दुविधा का समाधान मिल गया है, जिन्होंने मेरा उत्तराधिकारी बनना स्वीकार किया है।' उन्होंने कहा, 'अजय जडेजा द्वारा जामनगर के लोगों की सेवा की जिम्मेदारी लेना वास्तव में यहां के लोगों के लिए एक वरदान है। मैं उनके प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।' महाराजा शत्रुशल्यसिंह भी एक क्रिकेटर थे, जिन्होंने 1966-67 में रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र की कप्तानी की थी और सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के प्रमुख के रूप में कार्य किया था। अपने पिता की मृत्यु के बाद 3 फरवरी 1966 को उन्हें नवानगर का मुखिया बनाया गया और उनकी शादी नेपाल के शाही परिवार की सदस्य से हुई।

चौथे–पांचवें नंबर पर फिनिशर की तलाश में टीम इंडिया : डोइशे

हैदराबाद। भारतीय क्रिकेट टीम प्रबंधन के एक मजबूत कोर बनाने के प्रयास में खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाये रखना महत्वपूर्ण है। भारत अगले दो साल में नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट श्रृंखला, अगले साल की आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और संभवतः जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फ़ाइनल में खेलेगा। डोइशे ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि हां, हम खिलाड़ियों का एक मजबूत कोर बनाना चाहते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी, एशिया कप (2025) और विश्व कप (टी20 विश्व कप 2026) आने वाले हैं, हम जानना चाहते हैं कि भारतीय क्रिकेट में हर खिलाड़ी किस स्थिति में और यह देखना अच्छा है कि हमारे पास कितनी गहराई है। उन्होंने कहा कि ऐसे खिलाड़ी हैं जो कई भूमिका निभा सकते हैं जो हमारे संतुलन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। आप रियान (पराग) जैसे खिलाड़ी को देखें जिसने इस श्रृंखला में ज्यादा बल्लेबाजी नहीं की है। सहायक कोच रेयान टेन डोइशे ने कहा कि हमने ऐसे खिलाड़ी (नीतीश कुमार रेड्डी) को देखा है जो चौथे पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के साथ फिनिशर भी हो सकता है। इसलिए हम इन द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में जितना संभव हो सके उतने खिलाड़ियों को एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इसके लिए उन्होंने जोर दिया कि क्रिकेटरों को मानसिक रूप से मजबूत रखा जाना चाहिए। बता दें कि भारतीय टीम ने हैदराबाद के मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ तीसरा टी20 मुकाबला खेलना है। भारत का इस साल टी20 में प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने इस साल 20 जीत हासिल की थी जबकि एक मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। बांग्लादेश भी भारत के खिलाफ अब तक खेले गए 16 मैचों में से एक ही जीत पाया है। बहरहाल, हैदराबाद में फिलहाल बारिश हो रही है जिसके चलते पूरे ग्राऊंड को कवर कर दिया गया है। मौसम विभाग का मानना है कि मैच वाली दिन भी बारिश के आसार है ऐसे में मुकाबला प्रभावित हो सकता है।

न्यूजीलैंड टेस्ट से बाहर हुए मोहम्मद शमी!

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी नहीं खेल पाएंगे। बीसीसीआई सूत्रों का कहना है कि शमी अभी तक चोट से उभर नहीं पाए हैं। 34 वर्षीय शमी टखने की चोट से पीड़ित हैं, जिसके लिए सर्जरी की आवश्यकता थी और उन्होंने आखिरी बार भारत के लिए घरेलू मैदान पर 2023 50 ओवर के विश्व कप में खेला था। पहले उम्मीद थी कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मौका मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। अब न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज में भी उनका नाम न होने से उनके भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। बुमराह करीब डेढ़ साल से मैदान से दूर हैं ऐसे में उन्हें मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उतारने का खतरा बीसीसीआई नहीं लेना चाहेगी। उम्मीद है कि आगामी दिनों में शमी फिट हो और रणजी ट्रॉफी में अपनी लय हासिल करते नजर आए। बुधवार से बेंगलुरु में शुरू होने वाले पहले मैच में मेजबान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग में शीर्ष पर अपनी बढ़त बढ़ाने की कोशिश करेगी। अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के बहुप्रतीक्षित पांच टेस्ट मैचों के दौरे से पहले रोहित शर्मा 15 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे, जबकि जसप्रीत बुमराह को उप कप्तान नियुक्त किया गया है। हाल ही में घरेलू मैदान पर बांग्लादेश को 2-0 से हराने के दौरान भारत के पास कोई उप-कप्तान नहीं था। भारत के पास न्यूजीलैंड टेस्ट के लिए लगभग वही टीम है, केवल बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल को सूची से बाहर रखा गया है।

टेस्ट सीरीज का शैड्यूल

पहला टेस्ट : 16 से 20 अक्टूबर : सुबह 9:30 बजे से बेंगलुरु में

दूसरा टेस्ट : 24 से 17 अक्टूबर : सुबह 9:30 बजे से पुणे में

तीसरा टेस्ट : 01 से 05नवम्बर : सुबह 9:30 बजे से मुंबई में

तीन टेस्ट मैचों के लिए भारत की टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मो. सिराज, आकाश दीप

पंत के पोस्ट ने इंटरनेट पर मचाई खलबली!

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के ऑक्शन से पहले दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत के एक पोस्ट ने इंटरनेट पर खलबली मचा दी है। उन्होंने आधी रात को फैंस से पूछा कि अगर वह आईपीएल ऑक्शन में जाते हैं तो वह बिकेंगे या नहीं? अगर बिकेंगे तो कितने में बिकेंगे? ऋषभ पंत ने यह पोस्ट लगभर रात साढ़े 12 बजे के करीब किया। फैंस ने इस पोस्ट पर तुरंत रिएक्ट करना शुरू कर दिया। कुछ ने उनकी नीलामी की प्राइज बताई तो कुछ ने कहा कि यह नशे में किया हुआ पोस्ट है। बता दें, आईपीएल 2025 का मेगा ऑक्शन इस साल के अंत में होना है, उससे पहले हर टीम को 31 अक्टूबर से पहले-पहले बीसीसीआई को अपने रिटेन किए हुए खिलाड़ियों की लिस्ट सौंपनी है। ऋषभ पंत ने कार एक्सीडेंट के बाद इसी साल आईपीएल के जरिए ही क्रिकेट के मैदान पर वापसी की थी। इस सीजन उनकी टीम का परफॉर्मेंस कुछ खास नहीं रहा। मगर पंत का इंटरनेशनल कमबैक शानदार हुआ। वह भारत की टी20 वर्ल्ड कप विनिंग टीम का हिस्सा बने। वहीं अब बांग्लादेश के खिलाफ दो मैच की टेस्ट सीरीज के जरिए उन्होंने अपने पसंदीदा फॉर्मेट में भी वापसी की।

'टेस्ट क्रिकेट नंबर 1 प्राथमिकता है' : पैट कमिंस

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने फिर से पुष्टि की कि अपने देश के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना उनकी नंबर 1 प्राथमिकता है, कमिंस ने कहा कि उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सीजन में अपने भविष्य पर अभी फैसला नहीं किया है। कमिंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल 2024 के फाइनल में पहुंचाया, जब उन्हें फ्रेंचाइजी ने 20.50 करोड़ रुपये में खरीदा, जिससे वह टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। आईपीएल 2025 सीजन से पहले, इस साल के अंत में मेगा नीलामी होने वाली है, जिसमें प्रत्येक टीम अपने मौजूदा स्क्वॉड से कुल 6 खिलाड़ियों (भारतीय और विदेशी सहित अधिकतम पांच कैप्ड खिलाड़ी और अधिकतम दो अनकैप्ड खिलाड़ी) को रिटेंशन के जरिए या राइट टू मैच (आरटीएम) विकल्प का उपयोग करके रिटेन कर सकती है। अगले महीने होने वाली पांच टेस्ट मैचों की महत्वपूर्ण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के साथ, कमिंस देश के लिए खेलने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हालांकि, तेज गेंदबाज विदेशी खिलाड़ियों के लिए नए आईपीएल नियमों से अवगत हैं, जो उन्हें 'अगले वर्ष की खिलाड़ी नीलामी में पंजीकरण करने के लिए अयोग्य' बनाते हैं यदि वे उस सीजन की खिलाड़ी नीलामी के लिए पंजीकरण नहीं करते हैं, जबकि दूसरा नियम खिलाड़ियों को दो सीजन के लिए प्रतिबंधित करता है यदि खिलाड़ी नीलामी में चुने जाने के बाद सीजन की शुरुआत से पहले खुद को अनुपलब्ध कर देता है।

कमिंस ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, 'मैं अगले कुछ समय में यह पता लगाऊंगा कि यह सीजन कैसा दिखता है। नियमों में थोड़ा बदलाव किया गया है, लेकिन मुझे नहीं पता कि इसने मुझे अतीत में प्रभावित किया होगा या नहीं, मैं नीलामी के बाद कभी भी बाहर नहीं निकला। लेकिन आईपीएल के साथ विचार करने के लिए यह एक और कारक है। उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट निश्चित रूप से नंबर 1 प्राथमिकता है, विश्व कप वहीं है, कैलेंडर कभी भी कम व्यस्त नहीं होने वाला है, और मैं और जवान नहीं होने वाला हूं, इसलिए ये चीजें हमेशा से विचारणीय रही हैं, और आगे बढ़ने पर और भी अधिक होंगी। लेकिन कहने की जरूरत नहीं है कि ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रिकेट खेलना, विशेष रूप से टेस्ट मैच, मेरा नंबर एक काम और प्राथमिकता है'। कमिंस को उम्मीद है कि भारत के खिलाफ आगामी घरेलू श्रृंखला एक और करीबी मुकाबला होगा, क्योंकि मेहमान टीम ने ऑस्ट्रेलिया में पिछली दो सीरीज जीती हैं. उन्होंने कहा, 'मैंने भारत के खिलाफ जो कुछ घरेलू सीरीज खेली हैं, उनमें हमेशा एक तत्व होता है। पिछली सीरीज आखिरी टेस्ट मैच के आखिरी दिन गाबा में आखिरी सत्र तक सीमित रही'। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ने कहा, 'यह ध्यान में रखने वाली अच्छी बात है।

टेस्ट सीरीज में रोहित शर्मा के उत्तराधिकारी होंगे जसप्रीत बुमराह

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए बीसीसीआई ने शुक्रवार को भारतीय टेस्ट टीम की घोषणा की, जिसमें कप्तान रोहित शर्मा टीम का नेतृत्व करेंगे और स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह उप कप्तान की भूमिका में होंगे। गेंद को प्रभावित करने की अपनी क्षमता और भारत को बार-बार गहराई से खींचने के अपने लचीले चरित्र के साथ बुमराह सबसे आगे रहे हैं और उन्हें उप-कप्तान बनाने का निर्णय बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के बाद आया है जहां किसी को उपकप्तान बनाया ही नहीं गया था। उम्मीद थी कि शुभमन गिल को उपकप्तानी मिलेगी लेकिन बुमराह की नियुक्ति ने सबको हैरान कर दिया है। इसने उन बातों को भी हवा दी है जिसमें बुमराह को ही रोहित शर्मा का उत्तराधिकारी माना जा रहा था। इस बीच, प्रशंसक आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के बीच तीखी लड़ाई की अटकलें लगा रहे हैं। इससे पहले, यह पता चला था कि रोहित शर्मा निजी कारणों से पर्थ स्टेडियम में शुरुआती टेस्ट से चूक सकते हैं। अगर रोहित पहले टेस्ट के लिए अनुपलब्ध रहते हैं, तो बुमराह भारतीय टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। हाल ही में, बांग्लादेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद बुमराह ने आईसीसी गेंदबाजों की रैंकिंग में अपना नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया। 30 वर्षीय खिलाड़ी लाल गेंद वाले क्रिकेट में सनसनीखेज फॉर्म में हैं, उन्होंने अगस्त 2023 में चोट से वापसी के बाद से आठ टेस्ट मैचों में 42 विकेट लिए हैं, इस दौरान उनका औसत 14.69 का रहा है। कुल मिलाकर, बुमराह ने 38 टेस्ट मैचों में 20.18 की औसत से 170 विकेट लिए हैं, जिसमें 10 बार पांच विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है।

शनिवार को पटना में दुर्गा पूजा समारोह के दौरान एक पूजा पंडाल में महिलाएं सिन्दूर खेला में भाग लेती हैं।

धान खरीद पर उपजे विवाद को मान सरकार जिम्मेबार: बाजवा

● चंडीगढ़

पंजाब भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के उपाध्यक्ष सरदार फतेह सिंह बाजवा और प्रदेश प्रवक्ता चेतन मोहन जोशी ने कहा कि धान की खरीद को लेकर बने विवाद के कारण किसानों को हो रही परेशानी एवं नुकसान के लिए आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पूर्ण रूप से जिम्मेवार है।

बाजवा और जोशी ने शनिवार को चंडीगढ़ में भाजपा के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीप सिंह नकई, प्रदेश कोर कमेटी सदस्य सरदार एस.एस. विर्क, प्रदेश मीडिया प्रमुख विनीत जोशी और अनीश सिदाना की उपस्थिति में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि धान की खरीद के लिये केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा हमेशा की तरह पैसे तो भेज दिये गये हैं, फिर भी अगर पंजाब सरकार खरीद सुचारु रूप से और लिफ्टिंग नहीं कर पा रही तो गलती / नालायकी पंजाब सरकार की है, न कि केंद्र सरकार की ।

उन्होंने सवाल किया कि खरीद के बाद लिफ्टिंग के लिये बोरियों / बारदाना और लिफ्टिंग के बाद बोरियों के रख-रखाव के लिये क्रेट और अन्य जरूरी व्यवस्था पंजाब सरकार नहीं कर पा रही तो जिम्मेदार केंद्र सरकार कहां है । उन्होंने कहा कि पिछले साल भगवंत मान सरकार के कहने पर किसानों ने धान के बीजों में बदलाव कर धान की 126 वैरायटी लगाई, जिसके कारण झाड / चावल की यील्ड तय मापदंडों से 10 से 12 प्रतिशत कम रही और टुकड़े की मात्रा दोगुनी हो गयी। इस कारण राइस मिलर्स को खामियाजा / करोड़ों का भारी घाटा अपनी जेब से भरना पड़ा ।

शनिवार को नई दिल्ली में श्री धार्मिक लीला समिति परेड ग्राउंड, लाल किला में राक्षस राजा रावण के पुतले को आग लगाई गई।

खास खबर

18 अक्टूबर को फिर से रिलीज होगी अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम'

मुंबई: बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की सुपरहिट फिल्म सिंघम 18 अक्टूबर को फिर से रिलीज होगी। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी अजय देवगन की सुपरहिट फिल्म 'सिघम' वर्ष 2011 में रिलीज हुयी थी। सिघम की सीक्वल 'सिघम रिटर्न्स' वर्ष 2014 में रिलीज हुई थी।अब फिल्म 'सिघम अगेन' इस वर्ष दीवाली के अवसर पर 01 नवंबर को रिलीज होने वाली है। इससे पूर्व सिघम फिर से 18 अक्टूबर को सिनेमाघरो में रिलीज होगी। रोहित शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म सिघम का एक पोस्टर शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, दीवाली पर अपनी पूरी ताकत के साथ आने से पहले! अनुभव करें कि यह सब फिर से कैसे शुरू हुआ था। मास अगेन का फिर से अनुभव करें। फिर से एक्साइटमेंट लेवल को हाई कर लें सिघम अगेन से पहले एक बार फिर सिघम को थियेटर्स में देखें.. 18 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज हो रही है।

पेड़ों को काटने से रोकने के लिए पीएम को भेजेंगे 51 हजार पोस्टकार्ड

भीलवाड़ा: लाखों पेड़ों को काटने से रोकने के लिए भारतीय सांस्कृतिक निधि इन्टेक ने शनिवार को पोस्टकार्ड अभियान शुरू किया और इसके तहत राजस्थान से 51 हजार पोस्टकार्ड प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे जायेंगे। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एवं इन्टेक संयोजक बाबूलाल जाजू ने यह जानकारी देते हुए बताया कि देश की प्राकृतिक विरासत लाखों पेड़ों की कटाई को रोकने के लिए इन्टेक द्वारा यहां कुमुद विहार में बैठक आयोजित की गई जिसमें श्री मोदी को भीलवाड़ा से 5100 एवं प्रदेश से 51 हजार पोस्टकार्ड भेजने का शुभारंभ इन्टेक पदाधिकारी गुमान सिह पीपाड़ा, दिलीप गोयल, ओम हिगड़, देवेंद्र देराश्री, ओम सोनी, रामगोपाल अग्रवाल, विद्यासागर सुराणा, अब्बास अली बोहरा द्वारा पोस्टकार्ड लिखकर किया गया।

कार खाई में गिरने से मां-बेटे सहित तीन की मौत, तीन घायल

देहरादून: उत्तराखंड के देहरादून जिले के सुदूरवर्ती थाना त्यूनी क्षेत्र में शनिवार को एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। इससे कार सवार एक मां- बेटे सहित तीन लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार को थाना त्यूणी क्षेत्र में छुमरा से त्यूणी आने वाली एक ऑल्टो कार रायगी मंदिर के पास सड़क से करीब 100 मी नीचे गिर गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि एक आल्टो कार संख्या: यूके-07-डीडी-5541 मुख्य सडक से लगभग 100 मीटर नीचे खाई में गिरी हुई थी। स्थानीय लोगों के साथ पुलिस टीम द्वारा तत्काल रेस्क्यू आपरेशन चलाते हुए कार सवार छह लोगों को कार से बाहर निकाल कर तत्काल उपचार हेतु नजदीकी चिकित्सालय पंहुचाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा तीन घायलों सौरांश (3) पुत्र उमेश, निवासी ग्राम मेघाटू, थाना त्यूणी, उपरोक्त बच्चे की मां अनीता (30) पत्नी उमेश, और सूरत राम जोशी (78) पुत्र टांगरू, निवासी ग्राम मुंदोल, थाना त्यूणी को मृत घोषित किया गया।

'बांग्लादेश में मंदिरों को कर रहे अपवित्र'

बांग्लादेश सरकार हिंदुओं के पूजा स्थलों की करे सुरक्षा: भारत

● नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश में ढाका के तांतीबाजार में पूजा मंडप पर हमले और सतखीरा में जेशोरेश्वरी काली मंदिर में चोरी की घटना पर भारत ने चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि बांग्लादेश में मंदिरों और देवी-देवताओं को अपवित्र करने की साजिश हो रही है। इन घटनाओं को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया जा रहा है। भारत ने मांग की है कि बांग्लादेश सरकार हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों की सुरक्षा करे। भारत के इन आरोपों के बीच बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा किया। यहां पहुंचकर उन्होंने कहा कि हम बांग्लादेश को ऐसा देश बनाना चाहते हैं जहां सभी धर्मों के लोगों के अधिकारों की सुरक्षा हो।

वहीं, बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से हिंदू और अल्पसंख्य समुदाय पर हमले की कई रिपोर्ट्स आई हैं। दुर्गा पूजा के दौरान ही कई मंदिरों पर हमले और चोरी हुई हैं।ढाका के तांतीबाजार में शुक्रवार रात को एक शख्स ने दुर्गा पंडाल में बम फेंका था। हालांकि बम फटा नहीं। पंडाल की सिक्योरिटी में लगे लोगों ने जब आरोपी को पकड़ने की कोशिश की तो उसे बचाने के लिए कुछ लोग आ गए। इन्होंने आरोपी को बचाने के लिए चाकूबाजी शुरू कर दी। इसमें 5 लोग घायल हो गए। बम फेंके जाने की घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। विवाद बढ़ने पर कोटयाली पुलिस ने कहा मामला चोरी की घटना से जुड़ा है। कोटयाली पुलिस स्टेशन के अधिकारी इनेमुल हसन ने कहा कि रात करीब 8 बजे पंडाल में कुछ चोरों ने एक महिला की चेन झपट ली थी। इसके बाद चाकूबाजी की घटना हुई। पुलिस ने कहा कि हमलावरों ने एक बोतल भी फेंकी। इसमें केरोसिन भरा था और इसे बम की तरह इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में अब तक 3 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। वहीं घायलों का ढाका के मिडफोर्ट अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने कहा कि बॉटल सिर्फ लोगों को डराने के लिए फेंकी गई थी। चोर चाहते थे कि लोग डर जाएं और उनके डर का फायदा उठाकर वे भाग जाए। दूसरी घटना बांग्लादेश के जेशोरेश्वरी मंदिर से मां काली का मुकुट चोरी हो गया। यह सोने की परत चढ़ा चांदी का मुकुट है। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज 11 अक्टूबर को सामने आया। पीएम मोदी 2021 में बांग्लादेश दौरे के दौरान जेशोरेश्वरी मंदिर दर्शन के लिए गए थे।

इस दौरान उन्होंने यह मुकुट मंदिर में चढ़ाया था। इस मुकुट को स्थानीय कारीगरों ने 3 सप्ताह की मेहनत के बाद तैयार किया था। चोरी गुरुवार को दोपहर करीब 2 बजे से 2.30 बजे के बीच में हुई। मंदिर की सेवादार ने देखा कि देवी के सिर से मुकुट गायब था। इसके बाद श्यामनगर पुलिस को इसकी जानकारी दी गई।

कुछ लोगों को अभी भी राम मंदिर खटकता है: यादव

● खरगोन

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा है कि कुछ लोगों को आज भी राम मंदिर अटकता और खटकता है। राम मंदिर के आयोजन को नाच गाना बताने वालों का हरियाणा ने हिसाब चुकता कर दिया।

जिले के महेश्वर में आज देवी अहिल्या की 300 वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ यादव ने कहा कि पुरानी सरकारों की बाधाओं के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुशलता और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में श्री राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ था। हिंदू मुसलमान और सभी संप्रदायों ने जय जयकार कर इस फैसले का स्वागत किया और पूरा देश आनंद में डूब गया। उन्होंने कहा कि दंगा तो छोड़ो एक पत्थर भी कहीं से नहीं चला। यहां तक कि 70 वर्ष तक मुकदमा लड़ने वाले मुस्लिम बंधु भी इस आयोजन का हिस्सा बन भाव वि''ल थे। लेकिन दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि अभी भी कुछ लोग ऐसे हैं जिन्हें मंदिर अटकता और खटकता है। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री गांधी का नाम लिए बगैर तंज कसा कि वे वोट मांगने के नाम पर अयोध्या के इस भव्य और ऐतिहासिक आयोजन को नाच गाना बताते हैं। उन्होंने कहा जिसकी जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि। हरियाणा ने उनका हिसाब चुकता कर दिया। हम हिंदू मुसलमान को लड़ाने के हर षड्यंत्र को विफल कर देंगे। डॉ यादव ने प्रधानमंत्री के सबका साथ सबका विश्वास सबका प्रयास नारे को उल्लेखित करते हुए कहा कि देवी अहिल्या माता की तरह प्रधानमंत्री भी हर समाज को साथ में लेकर चल रहे हैं और मुझ जैसे किसान पुत्र को भी मुख्यमंत्री बना दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र की सरकार, उनके मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री धन्यवाद के पात्र हैं ।

शिमला में भूकंप के हल्के झटके

शिमला: हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला जिला में शनिवार दिन में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर तीन मापी गयी। भूकम्प के झटके दोपहर बाद 3:32 बजे कुछ सेकंड तक महसूस हुए। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के मुताबिक भूकंप का केंद्र शिमला के चिड×गांव इलाके के खशधार में 31.21 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 77.87 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। भूकंप की गहराई जमीन की सतह से पांच किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप से शिमला में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की रिपोर्ट नहीं है। शिमला में भूकंप का लगातार आना लोगों को दहशत में डाल रहा है।

दो युवकों की गाड़ी से कुचलने से मौत

सिरसा: हरियाणा के सिरसा जिले में सिरसा-भादरा रोड़ पर हुए सड़क हादसा में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब दोनों युवक सिरसा के श्री सालासर धाम से डाक ध्वजा लेकर जा रहे थे। दोनों युवक, अमित डागा और मोहित, अपने एक मित्र अमित शर्मा के साथ इस यात्रा पर थे। घटना शुक्रवार रात्रि की है जब वे नेजिया के पास आठवां मील के पास पहुंचे, तभी नाथूसरी चौपटा की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार गाड़ी ने उन्हें कुचल दिया। इस दुर्घटना में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हुए और बाद में अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। दुर्घटना को अंजाम देने वाली गाड़ी एक कांग्रेस नेता की बताई जा रही है। नाथूसरी चौपटा थाना पुलिस ने अज्ञात गाड़ी ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज किया है।

गुरु दर्शन मेला में शामिल हुए साय

रायपुर: छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शनिवार को बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में बाबा गुरू घासीदास की कर्मभूमि एवं सतनामी पंथ के संत श्री अमरदास की तपोभूमि तेलासी धाम में आयोजित गुरु दर्शन मेला में शामिल हुए। साय ने गुरु गद्दी की पूजा-अर्चना कर नमन किया और छत्तीसगढ़वासियों की खुशहाली और तरक्की के लिए कामना की। इस अवसर पर तेलासीपुरी धाम सर्वोच्च गुरु गद्दीनशीन श्री आसम दास साहेब भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल, राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा, सांसद जांजगीर चांपा श्रीमती कमलेश जांगड़े, पूर्व विधायक श्री सनम जागड़े, कलेक्टर श्री दीपक सोनी एसपी विजय अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में राजमहन्त,संत और श्रद्धालु गण उपस्थित थे।

शनिवार को पटना के गांधी मैदान में दशहरा समारोह के दौरान धनुष और तीर लिए हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ।

संजौली मस्जिद पर अब पुलिस का पहरा

एक माह बाद हटाया गया अतिक्ति पुलिस फोर्स

● शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के संजौली में मस्जिद विवाद को देखते हुए एक माह से पहरा दे रही बटालियन की अतिरिक्त पुलिस फोर्स को हटा दिया गया है। मस्जिद के अवैध निर्माण मामले में हिन्दू संगठनों के कड़े रुख के मद्देनजर यहां पुलिस का कड़ा पहरा था। प्रदेश पुलिस की विभिन्न बटालियनों से 150 के करीब पुलिस जवानों को यहां तैनात किया गया था।

इसके अलावा एएसपी स्तर के अधिकारी भी मोर्चा संभाले हुए थे। पुलिस

प्रशासन ने अब हालात सामान्य होने पर अतिरिक्त पुलिस फोर्स को यहां से हटा दिया है। संजौली मस्जिद की सुरक्षा का जिम्मा अब स्थानीय पुलिस के जिम्मे है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संजौली में तैनात अतिरिक्त पुलिस बल को अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरे में तैनात किया गया है। कुल्लू दशहरा उत्सव का आयोजन 13 से 19 अक्टूबर तक होगा और इसमें भारी तादाद में लोग उमड़ते हैं। सैंकड़ों देवी-देवता भी कुल्लू दशहरे में पहुंचते हैं। ऐसे में दशहरा उत्सव में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के लिए संजौली में तैनात पुलिस फोर्स को कुल्लू दशहरे में बुलाया गया है। ढली थाने के प्रभारी विरोचन नेगी ने अतिरिक्त पुलिस बल को हटाने की पुष्टि करते हुए बताया कि संजौली में अब स्थानीय पुलिस का पहरा है और बटालियन से बुलाए पुलिस के जवान तैनात नहीं हैं। बता दें कि संजौली में चल रहे मस्जिद विवाद को लेकर सितंबर महीने में यहां पर हालत नाजुक बन गए थे।

गत 11 सितंबर को संजौली बाजार में हिन्दू संगठनों ने उग्र प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग तोड़कर मस्जिद स्थल के पास पहुंच गए थे। इन्हें खदेड़ने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था।

जामनगर के नए 'राजा' होंगे क्रिकेटर अजय जडेजा

● नई दिल्ली, एजेंसी

दशहरा का दिन भारत के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा के लिए झोली भरकर खुशियां लाया है. दरअसल, गुजरात के जामनगर के जाम साहब शत्रुशल्यसिंहजी जडेजा ने इस शुभ अवसर पर उन्हें अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। वह अब से गुजरात के जामनगर राजघराने के अगले जाम साहब होंगे। शत्रुशल्यसिंहजी ने एक पत्र जारी कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि ह्यदशहरा के दिन पांडव वनवास से विजयी होकर लौटे थे। इस शुभ अवसर पर मेरी दुविधा खत्म हो गई है और मैं अजय जडेजा को अपना उत्तराधिकारी बनाने का प्रस्ताव रखता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि वह जामनगर की जनता के लिए एक आशीर्वाद साबित होंगे और पूरी निष्ठा से उनकी सेवा करेंगे। इसके लिए मैं उनका आभारी रहूंगा।

पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा जामनगर के ही हैं और नवानगर रियासत से ताल्लुक रखते हैं। इसके अलावा वह रणजीतसिंहजी जडेजा और दलीपसिंहजी जडेजा के परिवार के आते हैं, जिनके नाम पर भारत की घरेलू रणजी ट्रॉफी और दलीप ट्रॉफी खेली जाती है। रणजीतसिंहजी जडेजा और दलीपसिंहजी क्रिकेटर होने के साथ-साथ नवानगर रियासत पर राज कर चुके हैं। इसके अलावा शत्रुशल्यसिंहजी के पिता दिग्विजयसिंहजी उनके करीबी रहे हैं। वहीं 85 साल के शत्रुशल्यसिंहजी निसंतान हैं, इसलिए उन्हें अपना वारिस चुनना था। यही सब वजह थी कि उन्होंने अजय जडेजा को अपना उत्तराधिकारी चुना।

बता दें खुद शत्रुशल्य सिंहजी क्रिकेटर रह चुके हैं। उन्होंने 1958-59 में सौराष्ट्र के लिए बॉम्बे के खिलाफ फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने 1959-60 में तीन मैच, 1961-62 में चार और 1962-63 में चार मैच खेले थे। वह इंग्लैंड की काउंटी क्रिकेट क्लब ससेक्स के लिए भी खेल चुके हैं। हालांकि, वह उन्होंने कभी टीम इंडिया के लिए नहीं खेला।

इतने करोड़ की है संपत्ति

अजय जडेजा नवानगर के शाही परिवार से आते हैं और उनके पिता दौलत सिंह जडेजा एक राजनेता थे। वह जामनगर से तीन बार सांसद भी चुने गए थे। यानि वह पहले से ही अमीर थे। वहीं बाद में क्रिकेट ने उनकी संपति पर चार चांद लगा दिए। रिपोर्ट के अनुसार, अजय जडेजा 250 करोड़ रुपये के मालिक हैं।

शनिवार को आकर्षक एवं ऐतिहासिक मैसूरु दशहरा जुलूस के दौरान विभिन्न प्रकार के लोक अपना प्रदर्शन दिखाते हुए कलाकार।

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का महत्व

वास्तु शास्त्र में दिशाओं को बेहद महत्वपूर्ण बताया गया है। वास्तु के अनुसार, 8 दिशाएं यानी 4 मुख्य दिशाएं पूर्व, पश्चिम, उत्तर व दक्षिण) के साथ चार कोणीय दिशा ईशान कोण(उत्तर-पूर्व),आग्नेय कोण(दक्षिण-पूर्व), नैत्रृत्य कोण(दक्षिण-पश्चिम),वायव्य कोण(उत्तर-पश्चिम) के आधार पर वास्तु की गणना की जाती है। वास्तु में हर दिशा का विशेष महत्व है। अलग-अलग दिशाओं का संबंध अलग ग्रहों से होता है। मनुष्य के जीवन में सुख-शांति के लिए दिशाओं को ठीक रखना आवश्यक माना गया है। आइए जानते हैं कि वास्तु में प्रत्येक दिशा का क्या महत्व है?

पूर्व दिशा :

पूर्व दिशा के स्वामी ग्रह भगवान सूर्य और देवराज इन्द्र माने गए हैं। यह दिशा अच्छे स्वास्थ्य, बुद्धि, धन, सुख-सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि गृह-निर्माण में घर के पूर्व दिशा का कुछ स्थान खुला छोड़ देना चाहिए। इस स्थान को नीचा रखना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा न होने पर घर के मुख्य सदस्य का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

पश्चिम दिशा :

पश्चिम दिशा के स्वामी ग्रह शनि व वरुणदेव हैं। इस दिशा को मान-सम्मान, सफलता, अच्छे भविष्य और संपन्नता का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इस दिशा में गड्ढा,दरार,नीचा या दोषपूर्ण रहने पर मानसित तनाव की स्थिति बन सकती है। कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

उत्तर दिशा :

उत्तर दिशा के स्वामी ग्रह बुध व कुबेर देवता हैं। यह दिशा जीवन में सभी प्रकार के सुख को प्रदान कराती है। इस दिशा को बुद्धि,ज्ञान,चिंतन,मनन विद्या,धन के लिए शुभ माना जाता है। उत्तर दिशा में खाली स्थान छोड़कर गृह निर्माण करने से सभी प्रकार की भौतिक सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

दक्षिण दिशा :

दक्षिण दिशा के स्वामी ग्रह मंगल और यम है। इस दिशा को सफलता, यश, पद-प्रतिष्ठा और धैर्य का प्रतीक माना गया है। पिता के सुख का कारक भी यह दिशा माना जाता है। दक्षिण दिशा को जितना भारी रखेंगे, उतना ही लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

आग्नेय कोण :

वास्तु में आग्नेय कोण के स्वामी ग्रह शुक्र और अग्नि देवता माने गए हैं। इस दिशा का संबंध स्वास्थ्य से होता है। यह दिशा निद्रा व उचित शयन सुख को दर्शाता है। आग्नेय कोण में अंडरग्राउंड टैंक का होना अच्छा नहीं माना जाता है। इससे स्वास्थ्य खराब रहता है।

नैत्रृत्य कोण :

इस दिशा के स्वामी राहु और नैत्रृति नामक राक्षसी है। यह दिशा असुर, बुरे कर्म करने वाले व्यक्ति या भूत पिशाच की दिशा है। इसलिए वास्तु में इस दिशा को कभी खाली न रखने की सलाह दी जाती है।

वायव्य कोण :

इस दिशा को चंद्रदेव और पवनदेव का वास स्थान माना गया है। यह मित्रता और शत्रुता की ओर संकेत देते हैं। इस दिशा को मानसिक विकास का दिशा माना जाता है। इस दिशा में किसी तरह का दोष होना शत्रुओं की संख्या में वृद्धि का संकेत माना जाता है।

ईशान कोण :

ईशान कोण के स्वामी ग्रह देवगुरु बृहस्पति माने जाते हैं। इस दिशा को बुद्धि,ज्ञान,विवेक,धैर्य और साहस का प्रतीक माना गया है। वास्तु के अनुसार, ईशान कोण की साफ-सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए। इस दिशा को खुला नीचा व निर्माण कार्य कम से कम करवाना चाहिए। इस दिशा के दोष रहित होने पर अध्यात्मिक,मानसिक व आर्थिक संपन्नता आती है। वास्तु के मुताबिक, इस दिशा में शौचालय,सेप्टिक टैंक या डस्टबिन बिल्कुल नहीं रखना चाहिए।

इन योगासनों को बनाएं अपने डेली रूटीन का हिस्सा..

अगर आप एक ऑफिस गोइंग पर्सन हैं तब तो आप भी इस बात से सहमत होंगे कि दिन का आधे से ज्यादा हिस्सा ऑफिस या ऑफिस से जुड़े कामों में ही बीत जाता है। बहुत कम लोग ही ऐसे होते हैं जो इस बीच अपने लिए थोड़ा सा सेल्फ केयर टाइम निकाल पाते हैं। ऑफिस में घंटों लैपटॉप के सामने बैठकर काम करते रहने का इंपैक्ट हमारे शरीर पर भी साफ देखने को मिलता है। बैठे-बैठे वजन बढ़ जाना, मोटी तोंद निकल आना, कमर और कंधो में दर्द होना और भी बहुत कुछ। ऐसे में समय से पहले ही बुढ़ापा ना आ जाए इसलिए शरीर को कुछ फिजिकल एक्टिविटी की डोज देते रहना बेहद जरूरी है। आज हम आपको कुछ ऐसे योगासन बताने वाले हैं जिन्हें आप अपने काम के बीच से ही कुछ समय निकाल कर प्रैक्टिस कर सकते हैं। ये आपकी बॉडी को ओवरऑल हेल्दी रखने में काफी हेल्पफुल साबित होंगे।

रोज थोड़ी देर करें वज्रासन

अपने बिजी शेड्यूल में से कुछ वक्त निकालकर आप वज्रासन ट्राई कर सकते हैं। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले घुटनों को मोड़कर, पैर के बल बैठ जाएं। इस तरह से बैठते हुए इस बात का ध्यान रखें कि आपके दोनों पैर के अंगूठों के बीच में थोड़ा सा गैप हो और आपकी कमर के ऊपर का हिस्सा बिल्कुल स्ट्रेट हो। अब अपने दोनों हाथों को अपनी जांघों पर रखें और शरीर का पूरा भार पैरों पर छोड़कर दिमाग को रिलैक्स करें। इस आसन को रेगुलर करने से पेट से जुड़ी प्रॉब्लम्स ठीक होती हैं, जिसकी वजह से बैठे-बैठे गैस और डाइजेस्टिव इश्यूज नहीं होते।

बहुत आसान और फायदेमंद है ताड़ासन

इस आसन को माउंटेन पोज के नाम से भी जाना जाता है। लगातार एक ही पोजीशन में बैठकर काम करने से रीढ़ की हड्डियां दर्द करने लगती हैं। ऐसे में रीढ़ की हड्डियों को मजबूती देने के लिए और बढ़े हुए पेट की चर्बी कम करने के लिए ताड़ासन बहुत ही फायदेमंद हो सकता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाएं। इसके बाद हाथों को ऊपर बिलकुल सीधा फैलाकर, दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में जोड़ें। अब अपने पैर की एड़ी को ऊपर उठाते हुए उंगलियों के बल पर खड़े हो जाएं। कुछ देर तक इसी पोजीशन में बने रहें और फिर रिलैक्स मोड में वापस आ जाएं।

पद्मासन से दूर होंगी ढेर सारी प्रॉब्लम्स

लगातार बैठकर काम करने का सबसे ज्यादा असर बॉडी पोस्चर पर पड़ता है। बॉडी पोस्चर में सुधार लाने के लिए और पीठ दर्द से छुटकारा पाने के लिए पद्मासन करना चाहिए। इस आसन को करने से एकाग्रता भी बढ़ती है और पेट भी दुरुस्त रहता है। इसे करने के लिए सबसे बैठ जाएं। अब अपने दाएं पैर को बाएं पैर की जांघ पर रखें और अपने बाएं पैर को दाएं पैर की जांघ पर रखें। अब अपने दोनों हाथों की तर्जनी उंगली को अंगूठे की बीच की रेखा पर रखकर हाथों को घुटने पर रखें। अब आंख बंद करके 5 से 10 मिनट के लिए बिल्कुल शांत बैठ जाएं।

दंडासन भी है बेहद फायदेमंद

हड्डियों और मांसपेशियों की मजबूती के लिए दंडासन करना बहुत ही फायदेमंद होता है। इस आसन को करने से रीढ़ की हड्डियों में भी खिंचाव आता है और साथ ही पाचन तंत्र मजबूत होता है। दंडासन करने के लिए सबसे पहले बैठकर, अपने दोनों पैरों को सामने की तरफ सीधा फैला लें। अब अपने दोनों हाथों को जमीन पर कूल्हे के बगल में रखें। इस आसन को करते समय अपनी पीठ, सिर और गर्दन को बिल्कुल सीधा रखें। इसके बाद अपने पैर की उंगलियों को अपनी तरफ खींचे। इस आसन को करने से आपके शरीर में खिंचाव आएगा। जिससे हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूती मिलेगी।

रोज सुबह करें ये काम

दिन भर कंट्रोल में रहेगा ब्लड प्रेशर

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और बिगड़ते खान-पान की वजह से ब्लड प्रेशर की बीमारी बहुत आम हो गई है। ब्लड प्रेशर हाई हो या लो, हेल्थ के लिए दोनों ही बहुत खतरनाक हैं। ऊपर से ये बीमारी अकेले भी तो नहीं आती, बल्कि अपने साथ ढेर सारी हेल्थ प्रॉब्लम्स एकदम फ्री लाती है। जब बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन सही से नहीं होता तो इसका असर हार्ट और किडनी पर भी पड़ता है। इसके साथ ही इससे मेंटल हेल्थ पर भी इसका असर हो सकता है। अगर आपको भी ब्लड प्रेशर की प्रॉब्लम है, तो आपको अपने रूटीन में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। अगर आप कुछ बातों को अपने डेली मॉर्निंग रूटीन का हिस्सा बना लेते हैं, तो आपको काफी फायदा होगा।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए स्लीपिंग रूटीन को फॉलो करना बहुत जरूरी है। रात में देर से सोना और सुबह देर तक बिस्तर पर पड़े रहना, ब्लड प्रेशर को डिसबैलेंस करने के साथ-साथ कई अन्य हेल्थ प्रॉब्लम की भी वजह बन सकता है। इसलिए ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए रात में जल्दी सोना चाहिए और सुबह जल्दी उठना चाहिए। बेहतर होगा कि आप डेली सुबह उठने का एक प्रॉपर टाइम भी फिक्स करें ताकि आपकी बॉडी क्लॉक उससे एडजस्ट हो जाए।

पानी से करें सुबह की शुरुआत

सुबह खाली पेट पानी पीने के कई फायदे हैं। इससे शरीर तो हाइड्रेटेड रहता ही है, साथ ही कई अन्य हेल्थ प्रॉब्लम्स भी दूर रहती हैं। ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए, सुबह की शुरुआत पानी के साथ करनी चाहिए। सुबह खाली पेट पानी पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है, पाचन क्रिया सही होती है और शरीर दिन भर हाइड्रेटेड रहता है। कोशिश करें कि फर्श पर मलासन में बैठकर लगभग दो गिलास पानी घूंट-घूंट कर के पीएं। रात भर कॉपर के किसी जग या बॉटल में रखे कॉपर चार्ज वाटर पीने से हेल्थ को और और ज्यादा बेनिफिट्स मिलते हैं।

रूटीन में शामिल करें कोई फिजिकल एक्टिविटी

सिर्फ ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए ही नहीं बल्कि शरीर को ओवरऑल फिट रखने के लिए भी अपने डेली रूटीन में किसी भी तरह की फिजिकल एक्टिविटी को जरूर शामिल करें। आप रोजाना सुबह कुछ देर के लिए एक्सरसाइज या योगासन कर सकते हैं।

खजूर को असली शहद में भिगोकर खाने के फायदे

खजूर नैचुरल शुगर से भरपूर होते हैं। इनका इस्तेमाल अक्सर लोग मीठी चीजों में करते हैं। हालांकि कुछ लोग इसे ऐसे भी ही खाते हैं, लेकिन अगर आप इन खजूरों को शहद में भिगोकर खाएंगे तो आपको इसके कई फायदे मिलेंगे। शहद हमारी सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। यह एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीसेप्टिक गुणों से भी भरपूर होता है। साथ ही, खजूर फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, प्रोटीन, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। ये दोनों ही हमें कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं, लेकिन अगर हम इन दोनों को एक साथ खाएंगे तो कई फायदे मिलेंगे। आइए जानते हैं खजूर को असली शहद में भिगोकर खाने के फायदों के बारे में।

खजूर में फाइबर की मात्रा भरपूर होती है। वजन घटाने से लेकर पाचन संबंधी समस्याओं को कम करने तक इसके कई फायदे हैं, लेकिन जिनका पाचन तंत्र कमजोर है उनके लिए यह कॉम्बिनेशन फायदेमंद है। खजूर को शहद में भिगोकर खाने से पाचन क्रिया बेहतर होती है। कई लोगों को कब्ज की समस्या होती है, लेकिन जिन लोगों को यह समस्या है उनके लिए खजूर को शहद में भिगोकर खाना फायदेमंद होता है।

दरअसल, फाइबर की कमी ही कब्ज का कारण बनती है। ऐसे में खजूर खाने से फाइबर की कमी दूर हो जाती है। साथ ही आपका मेटाबॉलिज्म भी बढ़ेगा। अगर आप खजूर को शहद में भिगोकर खाएंगे तो आपको कब्ज की समस्या से राहत मिलेगी।

कुछ लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर होती है। ऐसे लोग हमेशा किसी न किसी मेडिकल समस्या से पीड़ित रहते हैं। रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने पर खांसी, जुकाम और बुखार जैसी कई परेशानियां आती रहती हैं, लेकिन शहद और खजूर आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में बहुत मददगार होते हैं। इन दोनों में कई औषधीय गुण हैं। इनमें आयरन के साथ जिंक और विभिन्न विटामिन प्रचुर मात्रा में होते हैं। इनसे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी।

कुछ लोगों को चाहे कोई भी मौसम हो खांसी-जुकाम की समस्या हो जाती है, लेकिन ये समस्याएं इतनी जल्दी दूर नहीं होती है। ऐसे लोगों के लिए शहद और खजूर बहुत मददगार होता है। डॉक्टर बताते हैं कि अगर आप खजूर को शहद में भिगोकर खाएंगे तो सर्दी-खांसी जल्दी ठीक हो जाएगी। मौसम बदलने पर खजूर को शहद में भिगोकर जरूर खाएं।

जो लोग मसल्स बनाना चाहते हैं उनके लिए शहद और खजूर बहुत मददगार होते हैं। अगर आप रोजाना शहद में खजूर भिगोकर खाते हैं तो आपकी मांसपेशियां तेजी से मजबूत होंगी। शहद और खजूर में कैलोरी अधिक होती है। यह मांसपेशियों के निर्माण में मदद करता है।

शहद और खजूर दोनों ही हमारी त्वचा के लिए बहुत अच्छे होते हैं। शहद मॉइस्चराइजिंग गुणों से भी भरपूर होता है। यानी यह हमारी त्वचा को अंदर से मुलायम और खूबसूरत बनाता है। खजूर खाने से हमारी त्वचा स्वस्थ रहती है। शहद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है, लेकिन अगर आप खजूर को शहद में भिगोकर खाते हैं तो इससे शरीर में सूजन कम हो जाती है। आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा।

दिनभर की थकान के बाद अपने बिस्तर पर लेटने का आराम किसी फाइव स्टार होटल से भी बेहतर होता है। हम अपनी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा बिस्तर पर बिताते हैं, इसलिए गद्दों और तकियों का गंदा होना आम बात है। हम चादरें तो बदल लेते हैं, लेकिन गद्दे और तकिए बदलना आसान नहीं होता। इनकी सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि गंदगी से हेल्थ पर असर पड़ सकता है। ड्राई क्लीनिंग महंगी होती है, इसलिए यहां कुछ आसान टिप्स दिए गए हैं, जिनसे आप घर पर ही गद्दे और तकियों की सफाई कर सकते हैं।

धूप में सुखाएं

गद्दे और तकियों को समय-समय पर धूप में रखें। धूप से इनमें मौजूद गंध और कीटाणु दूर हो जाते हैं। इसके लिए गद्दों और तकियों को बालकनी या छत पर रखें, जहां सीधे धूप आती हो। गद्दों को पलटते हुए धूप दिखाएं और बाद में एक छड़ी से झाड़ लें, ताकि धूल भी

वैक्यूम क्लीनर

अगर धूप में रखना संभव नहीं है, तो वैक्यूम क्लीनर का उपयोग करें इससे गद्दों में जमी धूल अच्छे से साफ हो जाएगी। गद्दों को खुली जगह में रखकर वैक्यूम करें और फिर पंखे की हवा में थोड़ी देर के लिए छोड़ दें।

गद्दों पर लगे पीले दाग साफ करने के उपाय

कई बार गद्दों पर पसीने, पानी या अन्य तरल पदार्थों के गिरने से पीले या भूरे दाग पड़ जाते हैं। इन्हें साफ करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

सबसे पहले गद्दे को वैक्यूम क्लीनर से साफ करें। दाग वाली जगह पर लिक्विड सोप और बेकिंग सोडे का पेस्ट बनाकर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। पेस्ट को साफ कपड़े से हटाएं, लेकिन ध्यान रखें कि रगड़ना नहीं है, बल्कि हल्के से डैब करें। फिर एक साफ कपड़े को पानी में भिगोकर अच्छी तरह साफ करें, ताकि पेस्ट न रह जाए। गद्दों को धूप में सुखाएं। ऐसा करने से गद्दे और तकिए बिल्कुल साफ हो जाएंगे।

सजावट के सामान की खरीदारी करना आसान

यह कितनी कमाल की बात है ना कि कैसे एक छोटा-सा फूलदान ड्राइंग रूम की खूबसूरती को झट से निखार देता है या फिर बेडरूम के एक कोने में रखा इंडोर प्लांट कमरे को अद्भुत सुकून भर देता है। घर के साज-सजावट के लिए उपलब्ध सामानों की खासियत ही यही है कि अगर सही चीज का चुनाव किया जाए, तो एक डेकोरेटिव आइटम ही कमरे की खूबसूरती को निखारने के लिए काफी है। पर, अपने आशियाने के लिए सजावट के सामान की खरीदारी करना इतना आसान काम नहीं है। आपका घर ऐसा होना चाहिए, जिससे आपके व्यक्तित्व की झलक मिले। ऐसे में खरीदारी करने से पहले किन बातों को ध्यान में रखें ताकि सजावटी सामान सालोंसाल आपके घर की खूबसूरती को निखारते रहें।

चुनें टिकाऊ सजावट का सामान

जब चीजें आसानी से उपलब्ध हों, विकल्प ज्यादा हों और कीमत भी बजट के मुताबिक हो, तो खरीदारी से पहले हमें ज्यादा नहीं सोचना पड़ता। घर के सजावटी सामान के मामले में भी ऐसा है। घर की सजावट के छोटे-छोटे सामान हर रेंज में उपलब्ध हैं। ऐसे में हर दो साल में उन्हें बदलने का इरादा रखकर आर्टीफिशियल सामग्री से बनी चीजें खरीदने की जगह थोड़ा-सा ज्यादा पैसा खर्च कर ऑर्गेनिक चीजों से बने डेकोरेटिव आइटम खरीदें। ये न सिर्फ लंबे समय तक घर की खूबसूरती को निखारेंगे बल्कि इनसे प्रकृति को भी कम-से-कम नुकसान पहुंचेगा। घर के सजावट के लिए सामान खरीदते वक्त प्राकृतिक मेटीरियल जैसे बांस व जूट से बने फर्नीचर चुनें। इसके अलावा इन दिनों रैटन और विकर फर्नीचर भी चलन में है। रैटन फर्नीचर बांस जैसा दिखता है, पर यह बांस नहीं होता। इसे बेंत भी कहा जाता है। फर्नीचर के लिए इन सामग्री का चुनाव न सिर्फ उन्हें टिकाऊ बनाता है बल्कि घर की सजावट को खास भी बनाता है। प्राकृतिक फाइबर वाले रग्स, हाथ से बुने हुए बांस आदि की टोकरी आदि को भी घर की सजावट का हिस्सा बनाया जा सकता है। ये सब अपने साधारण-से रूप-रंग की बदौलत आपके घर को एकदम खास बना देंगे।

फिर से रिलीज होगी 'सिंघम'

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सिंघम अगेन' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की ये पांचवीं किस्त है। सिंघम फ्रेंचाइजी की इस फिल्म में एक से बढ़कर कलाकार नजर आने वाले हैं। हाल में ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जो हिंदी सिनेमा इतिहास के सबसा लंबा ट्रेलर था। फिल्म दिवाली के मौके पर रिलीज होने वाली है।

इस फिल्म के रिलीज से पहले रोहित शेट्टी ने इस फ्रेंचाइजी के एक बार फिर से रिलीज किए जाने की घोषणा की है। 'सिंघम' साल 2011 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जो काफी सफल भी रही थी। रोहित शेट्टी ने इस फ्रेंचाइजे के पहले किस्त को एक बार फिर 18 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा, 'यह सब कैसे शुरू हुआ, इसका अनुभव करें।' आज, 11 अक्टूबर, 2024 को रोहित शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर अजय देवगन की सिंघम का एक पोस्टर साझा किया। इस पोस्टर पर लिखा था, "18 अक्टूबर को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होगी।"इस फिल्म के जरिए दर्शकों को एक बार फिर सिंघम के जबर्दस्त एक्शन का अनुभव होने वाला है। 'सिंघम अगेन' की रिलीज से पहले फैंस के लिए इस फिल्म के माध्यम से पुरानी यादों को ताजा करना काफी शानदार अनुभव होगा। इस पोस्टर को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा था, "दिवाली पर अपनी पूरी ताकत के साथ आने से पहले। अनुभव करें कि यह सब फिर से कैसे शुरू हुआ। फिर से सामूहिक अनुभव करें। फिर से उत्साह का अनुभव करें। सिंघम अगेन से पहले एक बार फिर सिंघम का अनुभव करें! 18 अक्टूबर को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज़ हो रही है।

जैकी श्रॉफ बब्बर शेर बन इस दिन मचाएंगे तबाही

वरुण धवन की इस साल की मच अवेटेड फिल्म 'बेबी जॉन' रिलीज से पहले ही जमकर सुर्खियां बटोर रही है. वरुण धवन के दमदार लुक से लेकर सलमान खान के कैमियो तक, फिल्म को लेकर दर्शकों की बेसब्री सातवें आसमान पर पहुंच गई है. ऐसे में दर्शकों की एक्साइटमेंट को और बढ़ाने के लिए फिल्म में एक नए किरदार की एंट्री हुई है, जो बब्बर शेर बनकर तबाही मचाने को तैयार है. यह एक्टर और कोई नहीं बल्कि अपनी जबरदस्त एक्टिंग के लिए मशहूर जैकी श्रॉफ हैं. जिनका बीते दिनों फिल्म से पहला पोस्टर सामने आया है, जिसमें जग्गू दादा एक खतरनाक लुक में नजर आ रहे हैं. और आज उनके लुक का टीजर भी रिलीज हो गया है जिसमें हम जैकी श्रॉफ को बब्बर शेर का किरदार निभाते देख सकते हैं.

वरुण धवन ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'बेबी जॉन' से जैकी श्रॉफ का टीजर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए नीचे कैप्शन लिखा कि, "उस अंधकार से मिलने के लिए तैयार हो जाओ जिसे आपने कभी नहीं देखा- बेबी जॉन की बुराई. बब्बर शेर आपके लिए आ रहा है." टीजर की शुरुआत में जैकी श्रॉफ एक कैदी के लुक में हैं, जो जेल के कई कैदियों का खून करते नजर आते हैं. और फिर अपना हाथ कांच में मारते हुए कहते हैं कि 'शेर, बब्बर शेर.'

गेम चेंजर संक्रांति पर होगी रिलीज़!

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने अभिनेता रामचरण की फिल्म अगले साल संक्राति के अवसर पर रिलीज हो सकती है। राम चरण ने फिल्म 'गेम चेंजर' के लिये निर्देशक एस शंकर से हाथ मिलाया है। दर्शक बेसब्री से फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी को एक साथ बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हैं, लेकिन अब उन्हें थोड़ा और इंतजार करना होगा, क्योंकि फिल्म की रिलीज की तारीख में बदलाव किया गया है। फिल्म अब तय समय पर दस्तक नहीं देगी। बहुप्रतीक्षित तेलुगु फिल्म गेम चेंजर अब संक्रांति 2025 के आसपास रिलीज होगी। राम चरण और कियारा आडवाणी अभिनीत यह फिल्म पहले क्रिसमस 2024 पर रिलीज होने वाली थी। यह फिल्म पहले 20 दिसंबर, 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट आगे खिसका दी गई है। निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर इसका एलान किया है।

गेम चेंजर की रिलीज की घोषणा दशहरा के दिन 12 अक्तूबर को श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस यानी फिल्म के प्रोडक्शन हाउस के आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश के जरिए की गई है। शंकर द्वारा निर्देशित 'गेम चेंजर' एक राजनीतिक थ्रिलर है, जिसकी कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है। फिल्म में राम चरण, कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत, जयराम और नवीन चंद्रा अहम भूमिकाओं में हैं।

ट्विंकल ने बीच सड़क पति अक्षय संग मटकाई कमरिया

अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना बॉलीवुड इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक है। ट्विंकल सालों से बड़े पर्दे से दूर हैं, लेकिन फैंस को एंटरटेन करने और उनसे जुड़े रहने का वह कोई मौका नहीं छोड़तीं। ट्विंकल सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर कुछ ना कुछ पोस्ट करती हैं। अब उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपना, पति अक्षय कुमार और बच्चों आरव-नितारा का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह पति अक्षय संग बीच सड़क पर कुछ ऐसा कर रही हैं कि उनके बच्चे शर्मिंदा होते नजर आ रहे हैं।

ट्विंकल खन्ना ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें उन्हें पति अक्षय संग बीच सड़क पर कमरिया मटकाते देखा जा सकता है। इस दौरान कपल के साथ उनके दोनों बच्चे आरव और नितारा भी मौजूद थे, जो अपने पेरेंट्स की ये हरकत देखकर हैरान हो जाते हैं। ट्विंकल ने वीडियो पोस्ट करते हुए बताया कि उन्हें और अक्षय को बीच सड़क डांस करते देख उनके बच्चे बहुत शर्मिंदा हो गए। इसी के साथ उन्होंने अन्य पेरेंट्स से भी पूछा कि बच्चों को शर्मिंदा करने का उनका फेवरेट तरीका क्या है। वीडियो शेयर करते हुए ट्विंकल खन्ना ने कैप्शन में लिखा- 'जब आप डांस कर सकते हैं तो पैदल क्यों चलना? इसके और फायदे जानते हैं? अपने बच्चों को शर्मिंदा करने का मौका। लेकिन, सच तो ये है कि एक बार जब बच्चे टीनएज में पहुंच जाते हैं तो आपका अस्तित्व ही उन्हें अपमानित करने के लिए पर्याप्त होता है। अपने बच्चों को शर्मिंदा करने के लिए आप क्या करते हैं?'

नागराज और चण्डालिका का फर्स्ट लुक रिलीज

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार यश कुमार और अपर्णा मलिक स्टारर फिल्म नागराज और चण्डालिका का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म नागराज और चण्डालिका का निर्माण यश कुमार एंटरटेनमेंट के बैनर तले हो रहा है और निर्देशन राज किशोर प्रसाद (राजू) कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी यश कुमार और मनोज कुशवाहा ने लिखी है।

फिल्म नागराज और चण्डालिका का फर्स्ट लुक रिलीज होने के बाद यश कुमार ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, इस फिल्म का फर्स्ट लुक दर्शकों को बहुत पसंद आएगा, क्योंकि इसमें एक अनोखी कहानी के साथ दमदार एक्शन और इमोशन का मेल है। हम इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस फिल्म को भरपूर प्यार देंगे, जैसा कि उन्होंने हमेशा मेरे काम को सराहा है।नागराज और चण्डालिका एक ऐसी फिल्म है जो दर्शकों को अपने साथ बांधे रखेगी। इसकी कहानी और किरदार दर्शकों के दिलों पर छाप छोड़ेंगे। फिल्म में एक्शन, इमोशन और मनोरंजन का बेहतरीन मिश्रण है, और यह सभी उम्र के दर्शकों को पसंद आएगी। फिल्म नागराज और चण्डालिका का संगीत साजन मिश्रा ने तैयार किया है। गीतकार राजेश मिश्रा और धरम हिंदुस्तानी हैं। डीओपी समीर सैयद जहांगीर है, जबकि एक्शन प्रदीप खड़का का है।फिल्म की कोरियोग्राफी प्रवीण सेलार ने की ।

अनीस बज्मी ने किया बड़ा खुलासा

भूल भुलैया 3 के ट्रेलर ने सभी को चौंका दिया और इसने साबित कर दिया है कि यह साल की सबसे ज्यादा चर्चित फिल्म क्यों है। ट्रेलर ने जबरदस्त हलचल मचाई है और इसे सिर्फ 24 घंटे में 53 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है, जिससे यह अब तक का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला ट्रेलर बन गया है। 'भूल भुलैया 3' को लेकर जैसे-जैसे एक्साइटमेंट बढ़ रहा है, फिल्म के बारे में कुछ दिलचस्प बातें भी सामने आती जा रही हैं। ऐसी ही एक दिलचस्प बात सामने आई है कि फिल्म की कास्ट को एंडिंग नहीं पता थी और डायरेक्टर अनीस बज्मी ने फिल्म के लिए दो अलग क्लाइमैक्स शूट किए।

हाल ही एक इंटरव्यू में खुद Anees Bazmee ने कहा, 'लोग सरप्राइज हो जाएंगे और सोचेंगे, 'ओ माय गॉड!' हमने एक अच्छी और खूबसूरत फिल्म बनाने की कोशिश की है। इसके लिए, हमने दो अलग-अलग क्लाइमैक्स शूट किए हैं, और प्रोडक्शन टीम के लोगों को भी नहीं पता कि मैं कौन सी एंडिंग चुनने वाला हूं।' 'भूल भुलैया 3' के ट्रेलर में कार्तिक आर्यन को रूह बाबा के रूप में दिखाया गया है। मंजुलिका बनीं विद्या बालन भी हैं, जो रूह बाबा के साथ भिड़ती हैं। तृप्ति डिमरी, माधुरी दीक्षित, संजय मिश्रा और राजपाल यादव समेत कई सितारे फिल्म का हिस्सा हैं। अनीस बज्मी ने बताया कि कास्ट ने सिर्फ प्री-क्लाइमेक्स तक ही फिल्म देखी है। वह बोले, 'सिर्फ मैं और टीम के तीन दूसरे मेंबर्स ही असल एंडिंग के बारे में जानते हैं। हमने दो क्लाइमैक्स शूट किए है, और टीम को यह भी नहीं पता था कि ऐसा क्यों किया गया। शुरू में, हमने फाइनल क्लाइमैक्स शूट किया, लेकिन बाद में मैंने टीम को फिर से बुलाया और कहा, 'मजा नहीं आ रहा है, फिर से करेंगे'।

अमन वर्मा के लिए मसीहा बनकर आए सलमान

अमन वर्मा इंडस्ट्री का वो नाम हैं, जिन्होंने टीवी से लेकर बॉलीवुड तक में अपना नाम बनाया। अमन वर्मा आज 11 अक्टूबर को अपना 53वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। अमन ने टीवी से लेकर फिल्मों तक में खूब काम किया और जमकर मेहनत की, लेकिन फिर कुछ ऐसा हुआ कि लगने लगा अब सब खत्म हो गया। एक्टर का नाम एक स्टिंग ऑपरेशन में फंसा और उसके बाद तो जैसे सारा खेल खराब होता चला गया। कहते हैं कि इसके बाद उनके लिए मसीहा बनकर आए सलमान खान। अमन ने अपने करियर की शुरुआत साल 1993 में सीरियल 'पचपन खंभे लाल दीवारें' से की थी। इसके बाद 'शांति', 'महाभारत कथा', 'रिश्ते', 'घर एक मंदिर' जैसे शो किए। फेमस गेम शो 'खुल जा सिम सिम' को उन्होंने होस्ट किया अमन का ये अंदाज लोगों ने काफी पसंद किया। इसके बाद अमन वर्मा एकता कपूर के फेमस शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू' में नजर आए।

इसी के साथ उन्होंने 'संघर्ष' से बॉलीवुड में कदम रखा, जो साल 1999 में रिलीज हुई थी। अमन के पास कई सारी फिल्में आईं और एक साल में दो-दो, तीन-तीन फिल्मों से अधिक फिल्मों में नजर आने लगे। उन्होंने 'अंदाज', 'बाबुल', 'बागवान' जैसी कई फिल्मों में काम करते दिखे। इसके बाद साल 2005 में उनके साथ कुछ ऐसा हुआ कि उनकी तेज रफ्तार में दौड़ता-भागता करियर जैसे थम गया हो। दरअसल साल 2005 में उनपर कास्टिंग काउच के आरोप लगे। इस घटना ने उनके करियर पर काफी बुरा असर डासा। बता दें कि उस दौरान एक न्यूज चैनल ने उनके खिलाफ स्टिंग ऑपरेशन किया था। इस वीडियो में अमन वर्मा को एक मॉडल से करियर के बदले गलत डिमांड करते हुए दिखाया गया था। बाद में ये वीडियो टेलिविजन पर टेलिकास्ट कर दिया गया। बताया जाता है कि इस घटना ने उनके करियर को सीधा ऊपर से लाकर जमीन पर पटक दिया। हालांकि , अमन वर्मा ने इसे अपने खिलाफ साजिश बताया। उन्होंने कहा कि किसी ने उन्हें फंसाने की कोशिश की है। बाद में अमन ने इस घटना के खिलाफ केस भी दर्ज कराया। अमन ने दावा किया कि ये सब करके चैनल उन्हें ब्लैकमेल कर रहा है और उनसे पैसे ऐंठना चाहता है। हालांकि, असर ये हुआ कि अमन को कई साल तक काम के लिए काफी मुश्किलें झेलनी पड़ी।

जोरदार एक्शन करते नजर आयेंगे राजकुमार राव

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव अपनी आने वाली फिल्म मालिक में जोरदार एक्शन करते नजर आयेंगे। राजकुमार राव की इस वर्ष ब्लॉकबस्टर फिल्म 'स्त्री-2' प्रदर्शित हुयी है। वहीं उनकी फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' आज रिलीज हुयी है।राजकुमार राव इस फिल्म के बाद एक्शन के अवतार में नजर आने वाले हैं। राजकुमार राव फिल्म 'मालिक' में जोरदार एक्शन करते नजर आयेगे।फिल्म मालिक का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले और जय शेवक्रमणी की नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स के तहत किया जा रहा है। इस फिल्म को पुलकित निर्देशित करेंगे। राजकुमार राव ने बताया,मैं अपनी अपकमिंग फिल्म मालिक में एक्शन कर रहा हूं। उम्मीद है यह फिल्म भी लोगों को पसंद आएगी।इस फिल्म में राजकुमार राव के साथ मेधा शंकर लीड रोल में नजर आने वाली हैं।

वेब सीरीज प्रोडक्शन आदि शंकराचार्य का ट्रेलर लॉन्च किया

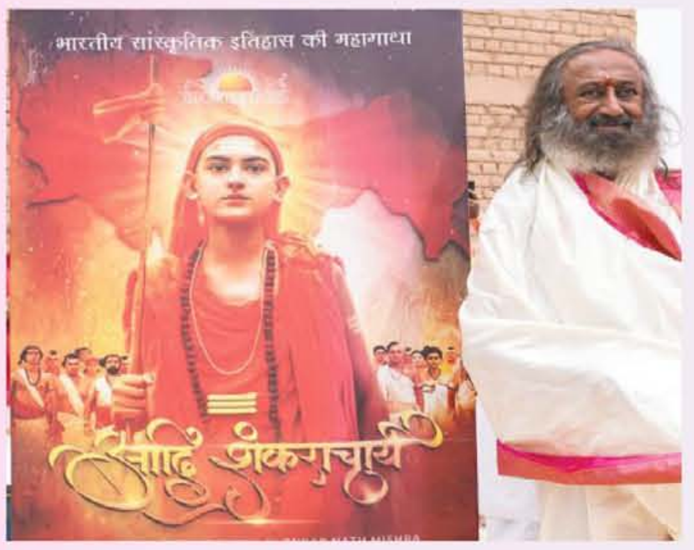

वैश्विक मानवतावादी और आध्यात्मिक गुरु, गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर की उपस्थिति में आर्ट ऑफ लिविंग ने अपनी पहली वेब सीरीज "आदि शंकराचार्य" का ट्रेलर लॉन्च किया। गुरुदेव ने कहा, "ज्ञान को समय-समय पर पुनर्जीवित करना आवश्यक है। आदि शंकराचार्य ने ज्ञान को पुनर्जीवित किया। उन्होंने भक्ति, ज्ञान और कर्म को एकत्र किया। उनका यही संदेश था कि जीवन दुख नहीं बल्कि आनंद है।

यह प्रोडक्शन आदि शंकराचार्य के प्रारंभिक वर्षों की कहानी प्रस्तुत करेगा, जिसमें वे भारत भर में यात्रा करते हुए आध्यात्मिक नैतिकताओं और परंपराओं को पुनर्जीवित करते हैं। सीज़न 1 में 10 एपिसोड होंगे। प्रत्येक एपिसोड लगभग 40 मिनट लंबा और आदि शंकराचार्य के जीवन के पहले आठ वर्षों पर आधारित होंगे।

श्री श्री पब्लिकेशंस ट्रस्ट के ट्रस्टी नकुल धवन ने बताया कि ₹आदि शंकराचार्य भारतीय इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण व्यक्तित्व हैं जिनका नाम तो प्रसिद्ध है लेकिन उनके जीवन की कहानी बहुत से लोगों को पता नहीं है। उनका जीवन बहुत छोटा लेकिन महत्वपूर्ण था, जिसमें उन्होंने देश भर में यात्रा की और सांस्कृतिक ताने-बाने को एकजुट किया। उनके द्वारा स्थापित परंपराएं आज भी जीवित हैं और वे भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के वास्तुकार हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में निर्देशक ओंकार नाथ मिश्रा ने बताया, ₹यह सीरीज महान आदि शंकराचार्य को समर्पित है, जिनकी बुद्धिमत्ता, ज्ञान और आध्यात्मिक शक्ति ने इस राष्ट्र को आकार दिया। जब भारत 300 से अधिक राज्यों में बंटा हुआ था, उस समय आदि शंकराचार्य ने देश भर में यात्रा की और इसे सनातन धर्म के ध्वज तले एकजुट किया। उनका सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण में योगदान अतुलनीय है और हम उनकी कहानी को आधुनिक दर्शकों के स्वर में जीवंत करना चाहते हैं।

आदि शंकराचार्य के ट्रेलर का इस महत्वपूर्ण दिन पर विमोचन भारत के आध्यात्मिक अतीत की ओर एक ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत को दर्शाता है। यह सीरीज 1 नवंबर से आर्ट ऑफ लिविंग ऐप पर उपलब्ध होगी जो इस महान राष्ट्रीय नायक की प्रेरणादायक जीवन की कहानी को विश्व भर के दर्शकों तक पहुंचाएगी।

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है विजयदशमी : डा. महेश शर्मा

मेघनाथ, कुंभकरण, रावण के पुतले का आतिशबाजी के साथ हुआ दहन

नोएडा (चेतना मंच)। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति नोएडा के मंच पर शनिवार को विजयदशमी का पर्व बड़े ही धूमधाम और हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। अच्छाई पर बुराई का अंत हुआ और अंत में इतना भयानक रावण, कुंभकरण एवं मेघनाथ के पुतलों को सुंदर आतिषबाजी के साथ आग लगाई गई।

विजय दषमी के पर्व पर मुख्य अतिथि सांसद डा. महेश शर्मा ने कहा कि विजयदशमी का यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। रावण को उसके गलत कृत्य की सजा भगवान श्रीराम ने दी एवं उसका वध कर दिया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्शों पर चलकर ही समाज और देश का भला हो सकता है। रामलीला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है। इससे समाज को एक नई दिशा मिलती है। यहां पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को भगवान श्रीराम का अनुसरण करना चाहिए। इस दौरान पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती विमला बाथम, कैप्टन विकास गुप्ता राज्य मंत्री ,स्वागत अध्यक्ष पीयूष द्विवेदी, मधुसूदन दादू, पी.के अग्रवाल, टी एन चैरसिया, टी एन गोविल तथा मंच संचालन संजय बाली ने किया। शहर के लाखों भक्तों ने निरंतर 10 दिनों तक रामलीला का सुंदर मंचन देखा और आज विजयदशमी के पर्व को भी मनाने के लिए रामलीला मैदान नोएडा स्टेडियम पहुंचे। कार्यक्रम में टी एन गोविल, टी एन चैरसिया, सुषील भारद्वाज, संजय बाली महासचिव, डा. वीके. गुप्ता, ललित ठुकराल, विपिन मल्हन, सुनील गुप्ता, कमल कुमार इलेक्ट्रा, डी.के. मितत्तल, राधा कृश्ण गर्ग, कुलदीप कटियार, अनिल अग्रवाल, प्रवीण सिंगरिया, राजेष सिंह, एच.पी. सिंह परिहार, वीरेन्द्र मेहता, सुन्दर सिंह राणा, रामरत्न षर्मा, अषोक मिश्रा, पुनीत षुक्ला, अरविन्द कालरा, राहुल बाली आदि काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

रावण दहन के साथ हुई असत्य पर सत्य की विजय

असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है दशहरा का पर्व : सुरेंद्र नागर

नोएडा (चेतना मंच)। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी सेक्टर-46 के ग्राउंड में रामलीला शनिवार को रावण दहन धूमधाम से किया गया। वहीं रामलीला देखने आए लोगों और रामलीला के आयोजकों को मुख्य अतिथियों ने आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय सचिव भाजपा सुरेंद्र सिंह नागर, सी एम डी प्रिया गोल्ड मनोज अग्रवाल ने दशहरा पर्व की रामलीला देखने आए सभी लोगों को बधाई दी।

सुरेंद्र नागर ने कहा कि असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक के रूप में प्रत्येक वर्ष दशहरा का पर धूमधाम से मनाया जाता है इस दिन भगवान राम ने सत्य के रास्ते पर चलकर कठिनाइयों को झेलते हुए विजय प्राप्त की। नोएडा महानगर भाजपा के अध्यक्ष मनोज गुप्ता, नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश पाल, पूर्व अध्यक्ष नोएडा प्राधिकरण देवदत्त शर्मा भी मौजूद रहे।रामलीला आयोजन समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने आए हुए मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया। आयोजक समिति के वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन , वाइस चेयरमैन पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल , महासचिव गिर्राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार सिंघल, पंडित कृष्णा स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता , गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव , अशोक गोयल, विकास बंसल , संदीप अग्रवाल, कुलदीप गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल,सीए मनोज अग्रवाल, अनुज गुप्ता, मुकेश गुप्ता, अभिषेक जैन, प्रदीप गुप्ता, पीयूष द्विवेदी, शरद कुमार सिंह, सी ए राजीव जैन, राहुल गुप्ता , तेजेंद्र मलिक, सौरभ अग्रवाल, रोहिणी नगर, डॉक्टर मनोज अग्रवाल का रामलीला में विशेष सहयोग रहा।

अधर्म, अहंकार और अन्याय का अंत निश्चित: डा. महेश शर्मा

प्रभु श्रीराम, माँ दुर्गा से क्षेत्रवासियों की सुख, शांति व समृद्धि का मांगा आशीर्वाद

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा ने विजय दशमी एवं दुर्गा पूजा के पर्व पर शक्ति रूपी साधना एवं सत्य ही अनंत के संदेश के साथ क्षेत्रवासियों के साथ इस पर्व को बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया।

सांसद ने कार्यक्रमों में अपने संबोधन के दौरान प्रभु श्रीराम के आदर्शो को क्षेत्रवासियों से साझा करते हुए कहा कि बुराई चाहे रावण की हो या महिषासुर की हो, जीत हमेषा सत्य, साहस और मर्यादा की होती है। अधर्म, अहंकार और अन्याय का अंत निष्चित है। रामराज्य का अर्थ सही नीतियों के साथ व शासन जहां हर व्यक्ति के साथ न्याय हो प्रत्येक नागरिक का सम्मान हो इन्ही आदर्षो को हमे अपने जीवन एवं कार्यो में अनुपालन करना चाहिये। धैर्य एवं संयम से ही जीवन के कठिनाईयों पर विजय प्राप्त की जा सकती है। जो जनहित के लिए समर्पित रहता है वही सच्चा नेतृत्व करता है।

सांसद डा. महेश शर्मा ने विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों मंअपनी सहभागिता एवं प्रतिभागिता देकर नोएडा एवं दादरी के साईट -4, सूरजपुर ग्रेटर, बिरौंडी एच्छर, पंचषील कालोनी ग्रेटर नोएडा वेस्ट, जेपी. अमन सोसाईटी सैक्टर 151, एवं सेक्टर-76 एवं सेक्टर-107 में आयोजित हो रहे रामलीला कार्यक्रमों एवं दुर्गा पूजा कार्यक्रमों, सैक्टर 34, सैक्टर 46, सेक्टर-82 एवं महर्षि आश्रम, सेक्टर-26 स्थित कालीबाड़ी मंदिर, सैक्टर 78, सैक्टर 12, नोएडा , रामलीला मैदान, सैक्टर 62, सनातन धर्म रामलीला समिति, सैक्टर 21ए में सम्मिलित होकर प्रभु श्री राम तथा माता दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस कार्यक्रमों में जिलाध्यक्ष गौतमबुद्ध नगर गजेन्द्र मावी, नोएडा महानगर अध्यक्षमनोज गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, मुन्ना कुमार शर्मा, डी.पी. गोयल, गणेष जाटव, उमेष त्यागी, कल्लू सिंह, लोकेष कष्यप, पंकज झा, तेज सिंह, नबाब सिंह चैधरी, टी.एन. गोविल, टी.एन. चैरसिया, श्रीमती इन्द्राणी मुखर्जी, कुमारी पूनम सिंह, सत्य नारायण महावर, कौषिक चटर्जी, श्रीमती अन्नु सिन्हा, जी.के. बसु, एस.पी. चमोली, राधा कृष्ण गर्ग, पुनीत शुक्ला, तेज सिंह, नबाब सिंह, आनंद भाटी, सतपाल शर्मा, महेश शर्मा मंडल अध्यक्ष, मुकेश शर्मा, अल्पेष गर्ग, सुषील भारद्वाज, सचिन अम्बावत आदि काफी संख्या में प्रभु के भक्तगण उपस्थित रहे।

सांसद ने प्रभु श्रीराम, माँ दुर्गा का आषीर्वाद प्राप्त कर सभी क्षेत्रवासियों की सुख, शांति की कामना की एवं बधाई व शुभकामनाएं दी।

बजरंग रामलीला संचालिका समिती की रामलीला में हुआ रावण का वध

नोएडा (चेतना मंच)। जनशक्ति सेवा समिति के चेयरमैन एवं वरिष्ठ नेता भाजपा रवि कान्त मिश्रा बजरंग रामलीला संचालिका समिति के मंच पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए उनके साथ सुपुत्र धैर्य मिश्रा एवं भांजी कुमारी नुपुर तिवारी और ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा वष्शिठ अतिथि, प्रोफेसर प्रेम चन्द पान्डेय एवं मदनलाल द्विवेदी अथिति के रूप में मंच पर उपस्थित हुए जिन्होंने करकमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर बजरंग रामलीला, संचालिका समिति सेक्टर-12, नोएडा का शुभारम्भ किया रामलीला मैदान में उपस्थित जनसमूह द्वारा तालियां बजाकर सभी अतिथिगणों का स्वागत किया गया ।

बजरंग रामलीला द्वारा खुले मंच पर रामलीला का मंचन कर अतिकाय वध, मेघनाथ वध,कुम्भकरण वध, अहिरावण वध एवं रावण वध की लीला का मंचन किया गया। विभीषण द्वारा रावण के पुतले में आग लगा कर अन्तिम संस्कार किया गया।

नोएडा में धूमधाम से मनाया गया विजयदशमी पर्व

नोएडा। श्रीराम मित्रमंडल नोएडा रामलीला समिति द्वारा आयोजित रामलीला मंचन स्थल रामलीला मैदान सेक्टर-62 में दसवें दिन विजयदशमी पर्व मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सांसद डॉ.महेश शर्मा, सांसद सुरेन्द्र सिंह नागर, पूर्व सीईओ नोएडा प्राधिकरण पी.के. अग्रवाल द्वारा बाण चला कर रावण, कुम्भकरण और मेघनाद के पुतलों के साथ महंगाई, अतंकवाद और महिला उत्पीड़न के पुतलों का दहन किया गया। श्रीराम मित्र मंडल रामलीला समिति के महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा ने मंच संचालन करते हुए सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा ने कहा कि विजय दशमी का यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है । समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग एवं अध्यक्ष धर्मपाल गोयल और समिति के सभी पदाधिकारियों ने अतिथियों का सम्मान किया। इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सलाहकार मनोज शर्मा, मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता, गिरिराज बहेड़िया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यनारायण गोयल, राजकुमार गर्ग, चौधरी रविंद्र सिंह, दयाशंकर तिवारी, तरुणराज, पवन गोयल, मुकेश गोयल, बजरंग लाल गुप्ता, एस एम गुप्ता, गौरव महरोत्रा, मुकेश अग्रवाल, चक्रपाणि गोयल, अनंत वर्मा, राजेश माथुर, साहिल चौधरीं, सुधीर पोरवाल, अर्जुन अरोड़ा, आर के उप्रेती सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे।

नव युवा जागरण समिति ने किया विशाल भंडारा

नोएडा (चेतना मंच)। नवमी के अवसर पर नव युवा जागरण समिति के द्वारा एच ब्लॉक मार्केट सेक्टर-22 में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सेक्टर-22 के युवाओं द्वारा 32 वर्ष पहले शुरू किया गया था। इसे आज भी इस सेक्टर के बच्चे बड़े युवा सब मिलकर चला रहे हैं। समिति के अध्यक्ष प्रदीप वोहरा के अनुसार सबसे पहले नवरात्र में जागरण करते हैं फिर माता की चौकी वहीं रहने देते हैं और वहीं पर हर शाम कीर्तन होता है। फिर नवमी के दिन विशाल भंडारा लगभग 5000 श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया।